संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-20 अंक- 304
पृष्ठ 8
बुधवार
24 जुलाई 2024
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- डिलीवरी के बाद कलाई...
विचार- संसद सत्रः कठघरे में होगी सरकार
खेल- क्रिकेट मेरा भगवान है... हरमनप्रीत...

आने वाले वर्षों में भी भारतीय अर्थव्यवस्था चमकता सितारा बना रहेगा : सीतारमण

● निर्मला सीतारमण ने इतिहास रचते हुए लगातार 7वां केंद्रीय बजट पेश किया

नयी दिल्ली, एजेंसीं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को लोकसभा में वित्त वर्ष 2024–25 का आम बजट पेश करते हुये कहा कि वैश्विक स्तर पर भारत की आर्थिक वृद्धि एक चमकता सितारा बना हुआ है और आने वाले वर्षों में भी ऐसी ही रहेगी। भारत की मुद्रास्फीति कम और स्थिर बनी हुई है और 4 प्रतिशत लक्ष्य की ओर बढ़ रही है तथा कोर महंगाई 3.1 प्रतिशत पर है। श्रीमती सीतारमण ने अपने बजट भाषण की शुरूआत करते हुये कहा, "भारत के लोगों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में अपना विश्वास दोहराया है और इसे ऐतिहासिक तीसरे कार्यकाल के लिए फिर से चुना है।" उन्होंने कहा कि आर्थिक वृद्धि के सामने कई वाह्य और आंतरिक चुनौतियां बनी हुयी है और इन चुनौतियों से महंगाई बढ़ने का खतरा है। उन्होंने कहा, "जैसे अंतरिम बजट में बताया गया है, हमें चार अलग–अलग जातियों, गरीबों, महिलाओं, युवाओं और किसानों पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। किसानों के लिए, हमने वादे को पूरा करते हुए सभी प्रमुख फसलों के लिए उच्च न्यूनतम समर्थन मूल्यों की घोषणा की है। लागत पर कम से कम 50 प्रतिशत मार्जिन के लिए पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना को पांच साल के लिए बढ़ा दिया गया, जिससे 80 करोड़ से अधिक लोगों को लाभ हुआ। वित्त मंत्री ने कहा, "मुझे दो लाख करोड़ रुपये के केंद्रीय परिव्यय के साथ पांच वर्षों में 4.1 करोड़ युवाओं के लिए रोजगार, कौशल और अन्य अवसरों की सुविधा के लिए पांच योजनाओं और पहलों के प्रधानमंत्री पैकेज की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। इस वर्ष हमारे पास है शिक्षा, रोजगार और कौशल के लिए 1.48 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान है।" उन्होंने कहा कि 32 क्षेत्रीय और बागवानी फसलों की नई 109 उच्च उपज वाली और जलवायु लचीली किस्में किसानों द्वारा खेती के लिए जारी की जाएंगी। अगले दो वर्षों में, एक करोड़ किसानों को प्रमाणन और ब्रांडिंग द्वारा समर्थित प्राकृतिक खेती में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस साल कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए आवंटन 1.52 लाख करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि भारत की मुद्रास्फीति कम, स्थिर और चार प्रतिशत के लक्ष्य की ओर बढ़ रही है। सह–मुद्रास्फीति, यानी गैर–खाद्य और गैर–ईंधन, 3.1 प्रतिशत पर बनी हुई है। खराब होने वाली वस्तुओं की आपूर्ति पर्याप्त रूप से बाजारों तक पहुंचे यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। जैसा कि अंतरिम बजट में बताया गया है, गरीबों, महिलाओं, युवाओं और किसानों पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। वित्त मंत्री ने कहा, "हमारी सरकार प्रधानमंत्री पैकेज के हिस्से के रूप में रोजगार से जुड़े प्रोत्साहन के लिए तीन योजनाएं लागू करेगी। ये ईपीएफओ में नामांकन पर आधारित होंगी और पहली बार काम करने वाले कर्मचारियों की पहचान और कर्मचारियों और नियोक्ताओं को समर्थन पर ध्यान केंद्रित करेंगी।" शिक्षा ऋण पर उन्होंने कहा कि सरकार घरेलू संस्थानों में उच्च शिक्षा के लिए 10 लाख रुपये तक के ऋण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि सब्जी उत्पादन के लिए बड़े पैमाने पर क्लस्टर प्रमुख उपभोग केंद्रों के करीब विकसित किए जाएंगे। संग्रह, भंडारण और विपणन सहित सब्जी आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए किसान उत्पादन संगठनों, सहकारी समितियों और स्टार्ट–अप को बढ़ावा दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि इस बजट में पूरे वर्ष और उसके बाद का ध्यान केंद्रित करते हुए विशेष रूप से रोजगार, कौशल, एमएसएमई और मध्यम वर्ग पर ध्यान केंद्रित किया गया है। रोजगार, कौशल और अन्य अवसरों की सुविधा के लिए योजनाओं और पहलों के प्रधान मंत्री के पैकेज की घोषणा की गयी है। उन्होंने कहा, "हमारी सरकार प्रधानमंत्री पैकेज के हिस्से के रूप में रोजगार से जुड़े प्रोत्साहन के लिए तीन योजनाएं लागू करेगी। ये ईपीएफओ में नामांकन पर आधारित होंगे और पहली बार काम करने वाले कर्मचारियों की पहचान और कर्मचारियों और नियोक्ताओं को समर्थन पर ध्यान केंद्रित करेंगे।" वित्त मंत्री ने कहा कि सभी औपचारिक क्षेत्रों में कार्यस्थल पर नए प्रवेश करने वाले सभी व्यक्तियों को एक महीने का वेतन दिया जायेगा।

गांव, गरीब, किसान को समर्पित बजट : पीएम मोदी

● बोले- शिक्षा और स्किल को मिलेगा बढ़ावा, रोजगार का होगा सृजन

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बजट की तारीफ करते हुए कहा कि यह गांव, गरीब और किसानों को समर्पित है। उन्होंने बजट के बाद अपने संबोधन में कहा कि देश को विकास की नई ऊंचाई पर ले जाने वाले इस महत्वपूर्ण बजट के लिए मैं सभी देशवासियों को बधाई देता हूं। वित्त मंत्री निर्माला सितारमण व उनकी पूरी टीम बहुत–बहुत बधाई की पात्र है। उन्होंने कहा कि ये बजट समाज के हर वर्ग को शक्ति देने वाला है। ये देश के गांव, गरीब, किसान को समृद्धि की राह पर ले जाने वाला बजट है। मोदी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। ये जो नव मध्यम वर्ग बना है, ये बजट उनके सशक्तिकरण की निरंतरता का बजट है। ये नौजवानों को अनगिनत नए अवसर देने वाला बजट है। उन्होंने कहा कि यह दूरदर्शी बजट हमारे समाज के हर वर्ग का उत्थान और सशक्तिकरण करेगा, जिससे सभी के लिए उज्जवल भविष्य का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आये हैं। यह बजट नये मध्यम वर्ग के सशक्तिकरण के लिए है। इस बजट से युवाओं को असीमित अवसर मिलेंगे। इस बजट से शिक्षा और कौशल को नया पैमाना मिलेगा। यह बजट नए मध्यम वर्ग को ताकत देगा...इस बजट से महिलाओं, छोटे कारोबारियों, एमएसएमई को मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस बजट से शिक्षा और स्किल को नई स्केल मिलेगी। ये मीडिल क्लास को नई ताकत देने वाला बजट है। ये जनजातीय समाज, दलितों और पिछड़ों को सशक्त करने की मजबूत योजनाओं के साथ आया है। इस बजट से महिलाओं की आर्थिक भागीदारी सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस बजट से छोटे व्यापारियों, MSMES को प्रगति का नया रास्ता मिलेगा। बजट में मैन्युफैक्चरिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर पर बहुत फोकस है। इससे आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बजट में सरकार ने श्रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाश की घोषणा की है। इससे रोजगार के कई अवसर पैदा करने में मदद मिलेगी। इस योजना के तहत, सरकार उन लोगों को पहला वेतन देगी जो कार्यबल में नए प्रवेश कर रहे हैं। अप्रेंटिसशिप प्रोग्राम के तहत गांवों के युवा देश की शीर्ष कंपनियों में काम कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि हमें हर शहर, हर गांव, हर घर entrepreneur बनाना है। इसी उद्देश्य से बिना गारंटी के मुद्रा लोन की लिमिट को 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख रुपये किया गया है। इससे छोटे कारोबारियों, विशेष रूप से महिलाओं, दलित, पिछड़े और आदिवासी परिवारों में स्वरोजगार को बल मिलेगा।

अमृतकाल के संकल्पों को पूरा करेगा बजट : योगी

● किसानों की समृद्धि में बनेगा सहायक

लखनऊ, एजेंसी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में नई संसद में वित्त मंत्री ने देश का जो आम बजट प्रस्तुत किया है वो सर्वस्पर्शी, सर्वसमावेशी, विकासोन्मुख, 140 करोड़ भारतवासियों की आशा, आकांक्षा और अमृतकाल के संकल्पों को पूरा करने वाला सिद्ध होगा। आम बजट 2024–25 आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत के निर्माण का आर्थिक दस्तावेज है। अंत्योदय की पावन भावना, विकास की असीम संभावना और नवोन्मेष की नवदृष्टि है। समाज के हर तबके के लिए बजट में किया गया प्रावधान रामराज्य की अवधारणा को साकार करने वाला है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय बजट 2024–25 प्रस्तुत होने के बाद मीडिया से बातचीत में यह बातें कहीं। सीएम योगी ने बजट के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण व उनकी टीम का अभिनंदन किया।

सीएम ने कहा कि बजट में अन्नदाता किसानों की समृद्धि, कृषि व सहायक सेक्टरों के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपये और महिला सशक्तिकरण के लिए 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया गया है। इससे सर्वाधिक लाभान्वित देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश की आधी आबादी होने वाली है। खास तौर पर तब, जब उत्तर प्रदेश 2020 से ही मिशन शक्ति के कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से जमीनी धरातल पर उतार रहा है। सर्वाधिक अन्नदाता किसान उत्तर प्रदेश में निवास कर रहा है। उन अन्नदाता किसानों की समृद्धि में संसद में प्रस्तुत आम बजट बड़ी भूमिका का निर्वहन करने वाला है। युवाओं के लिए लाखों नौकरियों के साथ मध्यमवर्गीय परिवार के लिए इनकम टैक्स में नए टैक्स स्लैब की रियायत को स्वागत योग्य बताया। बोले कि यह बजट भारत को पांच ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी में बदलने के संकल्प के साथ ही दुनिया के ग्रोथ इंजन के रूप में भारत की भूमिका और विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के आर्थिक दस्तावेज के रूप में प्रस्तुत किया गया है। मध्यमवर्गीय परिवारों को टैक्स में सबसे बड़ी छूट उपलब्ध हुई है। यह मांग लंबे समय तक चली आ रही थी। तीन लाख तक के इनकम टैक्स में कोई टैक्स नहीं लगेगा। अन्य स्लैब भी राहत भरे हैं। अलग–अलग सेक्टर गांव–गरीब, किसान, नौजवान, इंडस्ट्री, एमएसएमई सेक्टर के लिए किए गए प्रावधान से लाखों नौकरियां सृजित होंगी। समाज के हर तबके के लिए बजट में किया गया प्रावधान रामराज्य की अवधारणा को साकार करने वाला है।

यह सिर्फ कागजों पर अच्छा, किसानों को नहीं होने जा रहा लाभ : राकेश टिकैत

नई दिल्ली, एजेंसी। मोदी सरकार 3.0 का पहला बजट किसान नेता राकेश टिकैत को पसंद नहीं आया है। राकेश टिकैत ने कहा कि केंद्र को कागजों पर यह बजट अच्छा लग सकता है

लेकिन जमीन पर इससे किसानों को कोई फायदा नहीं होने वाला है। उन्होंने कहा कि इससे उन कंपनियों को फायदा होने वाला है जो किसानों को जैविक खेती सिखाएंगी। उन्होंने मांग की कि सरकार को फसलों की कीमत चुकानी चाहिए, मुफ्त बिजली, सस्ती खाद देनी चाहिए, खेती के उपकरणों पर जीएसटी कम करना चाहिए। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए और नौ प्राथमिकताओं की रूपरेखा तैयार की जिसमें उत्पादकता बढ़ाना शामिल है। अपने बजट प्रेजेंटेशन के दौरान उन्होंने कहा कि अगले 2 साल में 1 करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती में मदद की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसानों द्वारा खेती के लिए 32 क्षेत्रीय और बागवानी फसलों की नई 109 उच्च उपज वाली और जलवायु लचीली किस्में जारी की जाएंगी। अगले 2 वर्षों में, 1 करोड़ किसानों को प्रमाणीकरण और ब्रांडिंग द्वारा समर्थित प्राकृतिक खेती में शामिल किया जाएगा।

मेजा रोड स्टेशन पर दलालों ने युवक को जमकर पीटा

13–14 घंटे से लाइन में लगे युवक का टिकट फाड़ा, मौके पर गायब रहा RPF स्टाफ

मेजा। प्रयागराज में रिजर्वेशन काउंटर पर दलालों की सक्रियता के कारण आम लोगों के लिए टिकट बनवाना मुश्किल हो गया है। दलालों की वजह से आम लोग लाइन में ही लगे रहते हैं और

दलाल एक साथ कई टिकट बनवा कर अच्छे मुनाफे पर बेच रहे हैं। अगर कोई यात्री दलालों से हस्तक्षेप करता है तो उसकी पिटाई में भी कोई कोताही नहीं बरती जाती है। मेजा रोड रेलवे स्टेशन पर दलालों का कब्जा इस कदर हावी है कि आम लोगों का टिकट लेना मुश्किल हो गया है। हाटा बरौंधा मिर्जापुर निवासी सुभान अंसारी मेजा के जानकीगंज में अपने रिश्तेदार के यहां रहता है। वह सूरत में प्राइवेट जॉब करता है। सूरत जाने वाली ट्रेन का टिकट बनवाने के लिए वह मंगलवार सुबह मेजारोड रेलवे स्टेशन पर पहुंचा था। उसने बताया कि तीन दिन से वह टिकट लेने के लिए स्टेशन का चक्कर काट रहा है। लेकिन दलालों की वजह से न तो उसे टिकट मिल पा रहा था और न ही तत्काल टिकट लेने का टोकन। सोमवार को वह दिन और पूरी रात तत्काल टिकट लेने के लिए लाइन में लगा रहा। मंगलवार सुबह उसे तत्काल टिकट लेने का पहला टोकन मिल गया।

स्टेशन में अफरा–तफरी का माहौल : आरोप है कि उसी दौरान कुछ दलाल वहां पर पहुंचे और एक नंबर टोकन से हटने को कहा। मना करने पर गाली गलौज करते हुए जमकर पिटाई कर दी और टिकट लेने वाले फार्म को छीनकर फाड़ दिया। मारपीट की घटना से स्टेशन परिसर में अफरा–तफरी का माहौल बना रहा। इस दौरान रेलवे स्टेशन पर तैनात आरपीएफ स्टाफ भी गायब रहा। मौजूद भीड़ तमाशा देखती रही और किसी ने बीच–बचाव नहीं किया। भुक्तभोगी ने फोन के जरिए तत्काल मांडा आरपीएफ दरोगा मनोज त्रिपाठी को अवगत कराते हुए लिखित शिकायत दर्ज कराई। मामले में आरपीएफ दरोगा मनोज त्रिपाठी ने कहा कि यात्री की शिकायत पर जांच की जा रही है। आरोपियों की धर–पकड़ के लिए टीम गठित कर दी गई है। जल्द ही सभी आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

प्रयागराज में टीचर ने इंटर की छात्रा से किया रेप

पढ़ने में कमजोर बताकर ट्यूशन पढ़ाने आया, फिर करने लगा गंदी हरकत, अरेस्ट

प्रयागराज। प्रयागराज में एक नाबालिग छात्रा से शिक्षक अश्लीलता करता रहा। पहले उससे छेड़खानी करता रहा फिर डरा धमका कर दुष्कर्म किया। जान से मारने की धमकी और इज्जत की वजह से छात्रा डरी रही। काफी दिन बीत जाने के

बाद छात्रा ने अपने घरवालों को बता दिया। मामला पुलिस तक पहुंचा तो शिक्षक फरार हो गया। पुलिस ने केस दर्ज कर गोपनीय तरीके से शिक्षक को तलाशती रही। सोमवार रात धूमनगंज पुलिस ने शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया। बैंक में नौकरी करने वाले एक शख्स परिवार के साथ धूमनगंज इलाके में रहते हैं। उनकी बेटी झलवा के एक इंटर कॉलेज में पढ़ाई कर रही है। इसी कॉलेज में टीचर ने कुछ दिन पहले छात्रा के घरवालों से कहा कि लड़की कमजोर है। उसे ट्यूशन की जरूरत है। घरवालों ने उस शिक्षक को भी ट्यूशन पढ़ाने को रख दिया। शिक्षक की मंशा कुछ और थी। बताते हैं कि वह छात्रा पर गलत निगाह रखे था। पढ़ाने के लिए वह घर आने जाने लगा तो मनबढ़ हो गया। इसके बाद उसने छात्रा के साथ अश्लीलता शुरू कर दी।

छात्रा को बहला कर ले गया : छात्रा पर गंदी निगाह रखने वाला शिक्षक कुछ दिन बाद वह छात्रा को कहीं साथ ले गया और दुष्कर्म किया। इसके बाद छात्रा को धमकाया कि किसी को कुछ बताया तो जिंदगी बर्बाद हो जाएगी। साथ ही उसे मार दिया जाएगा। छात्रा कुछ दिन तो चुप रही फिर उसने घरवालों को बता दिया। इसके बाद पुलिस ने बयान दर्ज कर कार्रवाई शुरू की। अब शिक्षक को अरेस्ट कर लिया गया है। धूमनगंज पुलिस ने उसे नाटे चौराहे के पास से गिरफ्तार किया। आरोपी फतेहपुर जिले में ललौली इलाके का रहने वाला है। वह धूमनगंज मकान बनवा कर रह रहा था।

लीजिए डिजिटल किताबें, पाइए एडमिशन में 15 प्रतिशत छूट

प्रयागराज के राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति का फैसला

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में सत्र 2024–25 में डिजिटल पाठ्य सामग्री लेने वाले छात्रों के लिए विशेष छूट की व्यवस्था की गई है। इन छात्र–छात्राओं को एडमिशन फीस में 15: की एकमुश्त छूट दी जाएगी। इसकी घोषणा उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति

प्रो. सत्यकाम ने की है। प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि विश्वविद्यालय ने पहली बार समर्थ पोर्टल से प्रवेश शुरू किया है और इस बार हमने पहले वर्ष में एक लाख के प्रवेश लक्ष्य को सामने रखा है। जिसके लिए पूर्वांचल के विभिन्न जिलों में नामांकन बढ़ाने के लिए कार्यशालाएं आयोजित की गई।

शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाना है विश्वविद्यालय का लक्ष्य : प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि "विश्वविद्यालय का उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा पद्धति में स्वअध्ययन पाठ्य सामग्री सर्वश्रेष्ठ पाठ्य सामग्री है। जिसकी बराबरी पाठ्य पुस्तक नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा के गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करना चाहता इसीलिए शिक्षकों को सख्त हिदायत दी गई है कि वह शीघ्र स्वअध्ययन पाठ्य सामग्री के निर्माण का कार्य पूरा कर लें।

अल्पसंख्यक महिलाओं को शिक्षा के लिए प्रेरित करें

कुलपति पिछड़े क्षेत्र की महिलाओं को शिक्षा के क्षेत्र में जागरूक करने के पक्षधर हैं। इसके लिए उन्होंने समन्वयकों का आह्वान किया कि वह अभियान चलाकर विशेष रूप से अल्पसंख्यक महिलाओं को शिक्षा के लिए प्रेरित करें।

कांवड़ के बाद महाकुंभ में उठी पहचान पत्र की मांग

जूना अखाड़े के संरक्षक स्वामी हरि गिरि महाराज ने उठाया मुद्दा, बोले– हिंसा से बचने को सरकार उठाए कदम

प्रयागराज। यूपी में नेमप्लेट विवाद कांवड़ यात्रा से महाकुंभ तक पहुंच गया है। प्रयागराज के अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद का कहना है कि कुंभ में आने वाले लोग पहचान पत्र साथ लेकर आएं। सरकार को यह नियम लागू करना चाहिए। कुंभ आने वालों का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन भी हो, इसकी लिस्ट प्रशासन के पास हो। महाकुंभ 13 जनवरी 2025 से शुरू होगा।

हरि गिरि महाराज बोले– पहचान पत्र को प्रमाणित करा कर लेकर आएं

जूना अखाड़े के संरक्षक स्वामी हरि गिरि महाराज ने कहा– लोग सिर्फ पहचान पत्र ही न लाएं, बल्कि उसकी कॉपी भी प्रमाणित करा कर लाएं। ये कॉपी किसी ऑफिसर, पार्षद, ग्राम प्रधान, पंचायत सचिव से प्रमाणित होनी चाहिए। क्योंकि लोग फर्जी पहचान पत्र भी बनवा लेते हैं, ऐसे में दस्तावेजों की जांच जरूरी है। मेला प्रशासन या जिस भी संत के यहां वह जाए। उसकी लिस्ट प्रशासन के पास होनी चाहिए।

आईडी से सही व्यक्ति की होगी पहचान

उन्होंने कहा– मान लीजिए, राम सिंह नाम का व्यक्ति मेले में आता है और कोई घटना को अंजाम देता है। मेले में 1000 आदमी उसके नाम से आते हैं। ऐसे में उसकी जगह कोई दूसरा फंस सकता है। कई लोगों ने योगीजी का ही फर्जी पहचान पत्र बनवा रखा है। इंदौर में मैंने शिकायत की तो एक आदमी गोंडा से पकड़ा गया। मैं सिर्फ यही चाहता हूं कि कोई बेगुनाह आदमी न फंसे।

सनातन धर्म को लेकर कुछ लोग हिंसक हो रहे हैं

महंत हरि गिरि ने कहा– इस बार का महाकुंभ चुनौतियों से भरा हुआ है। तमाम लोग ऐसे आएंगे, जो सनातन को लेकर हिंसक हैं। आस्था के इस सबसे बड़े मेले में कोई गड़बड़ी न होने पाए और किसी तरह की हिंसा न होने पाए इसके लिए कई कदम उठाने होंगे।

मेले में गंगा जी को पॉलीथिन से बचाया जाए : स्वामी हरि गिरि ने कहा कि मेरी लोगों से मांग है कि गंगा जी को पॉलीथिन से बचाए, क्योंकि पानी में रहने वाले जीव जंतु उसे खाते हैं। उनकी मौत हो जाती है। ऐसे में पूरे मेले में प्लास्टिक को बैन किया जाना चाहिए।

थाईलैंड में बंधक बनाया गया प्रयागराज का युवक

मांगे गए डॉलर में 22 लाख रुपए, बहन बोली– मेरे भाई को बचा लीजिए, पिता रिटायर हेड कॉन्स्टेबल

जिया पंजतन, मिसिंग

प्रयागराज। प्रयागराज के एक युवक को थाईलैंड में बंधक बनाया गया है। घर वालों का कहना है कि 9 दिनों से बेटे से कोई बात नहीं हुई है। आरोप है कि कल यानी 22 जुलाई को युवक के फोन से 22 लाख रुपए की मांग की गई। यह रुपए डॉलर में ऑनलाइन ट्रांसफर करने को कहे गए हैं। इसके बाद से युवक का फोन लगातार स्विच ऑफ बता रहा है। पूरा मामला प्रयागराज के अतरसुइया थाना क्षेत्र के दरियाबाद इलाके से जुड़ा है। यहां यूपी पुलिस से रिटायर हेड कॉन्स्टेबल के बेटे जिया पंजतन (26) मिसिंग है। घर वालों से पैसों की डिमांड की गई है।

5 भारतीय युवकों को बंधक बनाया गया है

रिटायरमेंट के बाद आले पंजतन अपनी पत्नी और बेटी के साथ घर पर ही रहते हैं। उनके दो बेटे बक्शीश पंजतन और जिया पंजतन है। एक बेटी कनीज पंजतन है। जिया तीन साल से दुबई में एक बैंक में काम कर रहा था। अब जिया पंजतन मिसिंग है। जिया पंजतन की बहन कनीज ने बताया– मेरे भाई के साथ पांच युवकों को थाईलैंड में बंधक बनाया गया है।

कैसे क्या हुआ, भाई से कब–कब बात हुई?

बहन कनीज ने कहा– मेरा भाई दुबई में काम कर रहा था। वहीं से जॉब के लिए इंटरव्यू दे रहा था। वहां उसे एक चाइनीज कंपनी को ऑफर मिला था। यह बात उसने मुझे फोन पर बताई थी। मेरे भाई ने कहा था कि बैंकाक में थाईलैंड में कंपनी है। मेरी फोन पर भाई से बात हुई थी। बहन ने बताया– मेरे भाई ने कहा था कि उसे 80 हजार रुपए प्रतिमाह सैलरी पर नौकरी देने की बात कही गई थी। इसके साथ ही रहना खाना फ्री में देने का ऑफर दिया गया। 9 जुलाई को उसने मुझे यह बात बताई थी। इसके बाद 10 जुलाई को वह दुबई से हैदराबाद एयरपोर्ट पहुंचा था। यहां से मेरा भाई 11 जुलाई को बैंकाक गया। इसके बाद 13 जुलाई को फोन पर भाई से बात हुई। हमने उससे पूछा कि क्या कुछ हुआ, जॉइनिंग हो गई या नहीं। इस पर उसने बताया कि वो लोग एक होटल में लेकर गए हैं। उसने कहा कल बात करेंगे। 13 जुलाई के बाद से हमारी उससे कोई बात नहीं हुई। न ही उसके फोन से कोई संपर्क हो पाया। हम लोग 14 जुलाई से अब तक परेशान हैं।

23 जुलाई तक का टाइम दिया गया, कहा पैसे ट्रांसफर हो जाने चाहिए

कनीज ने कहा– एक सप्ताह से हम लोग लगातार परेशान हैं। कल 22 जुलाई को हमारे पास कॉल आया था। मेरे भाई के फोन नंबर से व्हाट्स पर कॉल आई थी। मेरे भाई ने कहा कि मैं यहां फंस गया हूं। इन लोगों ने मुझे बंधक बना लिया है। ये लोग मुझसे 22 लाख रुपए डॉलर में मांग रहे हैं। मेरी तरह 5 लड़के यहां बंधक बने हैं। कल यानी 23 जुलाई तक का समय दिया गया है।

थाने में नहीं लिखी गई एफआईआर

बहन ने कहा– मेरी विदेश मंत्रालय और केंद्रीय मंत्रालय से अपील है कि मेरे भाई को वापस दिला दें। हम बहुत परेशान हैं। मेरे पिता थाने गए थे। वहां पुलिस वालों ने कहा कि यह मामला यहां का नहीं है, हम एफआईआर नहीं लिख सकते हैं। हम क्या करें कुछ समझ नहीं आ रहा है।

हमने विदेश मंत्रालय और पीएमओ को ई–मेल के जरिए अपना प्रार्थना पत्र भेजा है। बड़े भाई बक्शीश दिल्ली के लिए रवाना हुए हैं। बहन ने बताया– मेरे भाई के साथ एक लड़का और गया था, उसे जानते हैं। उसका नाम आरिफ है। उसके भाई ने भी बताया कि 22 लाख रुपए मांगे गए हैं। अन्य लोगों को हम नहीं जानते हैं। मुझे मेरा भाई वापस दिला दीजिए। सरकार और प्रशासन से यही गुहार लगाते हैं।

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (कनिष्ठ श्रेणी) गर्वी इलाहाबाद द्वरा निकाली गायी उद्घोषणा।

उत्तराधिकार वाद संख्या 103 सन 2024

सविता देवी पुत्री स्व. रामचंद्र निवासिनी ग्राम बवंधरा धारा तहसील बारा जिला प्रयागराज हाल मुकीम 432एम/2 इंद्रपुरी कालोनी नया बैरहना प्रयागराज 211003।

बनाम

1. **शिवरतन** पुत्र रामचन्द्र निवासी ग्राम बवंधरा धारा तहसील बारा जिला प्रयागराज। 2.**रामपाल** पुत्र स्व.रामचंद्र निवासी ग्राम बवंधरा धारा तहसील बारा जिला प्रयागराज। 3.**लल्लन** पुत्र स्व. रामचंद्र निवासी ग्राम बवंधरा धारा तहसील बारा जिला प्रयागराज। 4.**लाल जी** पुत्र स्व. रामचंद्र निवासी ग्राम बवंधरा धारा तहसील बारा जिला प्रयागराज। 5.**बृजेश कुमार** पुत्र स्व. रामचंद्र निवासी ग्राम बवंधरा धारा तहसील बारा जिला प्रयागराज। 6.**शिवकुमारी** पुत्री रामचंद्र निवासिनी ग्राम बवंधरा धारा तहसील बारा जिला प्रयागराज। 7.**सियावती** पुत्री स्व. रामचंद्र निवासिनी ग्राम बवंधरा धारा तहसील बारा जिला प्रयागराज।

अपने पिता मृत स्व. रामचंद्र को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिए प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिए 1889 ई. के अधिनियम 7 के अधीन का आवेदन उत्तराधिकार प्रमाण पत्र के लिए।

चूंकि वादी से प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिए आवेदन दिया है और सन 2024 के 07 का 27 दिवस आवेदन की सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उत्तराधिकार प्रमाण पत्र के आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति को वह स्वयं या अधिवक्ता द्वारा 10 बजे पूर्वाह्न न्यायालय सिविल जज (कनिष्ठ श्रेणी) गर्वी मे नियत दिनांक पर उपसजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायगी और आवेदन के सम्बन्ध यथोचित आदेश पारित होगा।

नियत तिथि - 27/07/2024

न्यायालय

आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता कि **मेरा छोटा पुत्र सिद्धार्थ कुमार** गलत लोगों की संगत में पड़कर हमारे कहने सुनने में नहीं है जिसके कारण हम **उसे अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर रहे हैं।** उसके द्वारा किये गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा उससे हमारा व हमारे परिवार के अन्य सदस्यों से कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा।

शिव कुमार पुत्र स्व0श्री मोहन लाल
पता- ग्राम सुल्तानपुर जैसिंघ, नियाईपुर, थाना होलागढ़ जिला प्रयागराज।

अदालती नोटिस

हेतु सदर्शित करने की सूचना (साधारण प्रारूप)
न्यायालय ए.सी.जे.एम. 12 इलाहाबाद

वाद संख्या 843 सन 2023

मंजू भारती उम्र 55 वर्ष पत्नी राजकुमार द्वारा मुख्तार आम राजकुमार पुत्र पृथ्वी पाल निवासी एस-21 सत्यम अपार्टमेंट थार्नहिल रोड प्रयागराज। ...वादी

बनाम

सुरेश कुमार उम्र लगभग 60 वर्ष पुत्र स्वर्गीय मोतीलाल निवासी 72/5 एमजी मार्ग (1 एमजी मार्ग) प्रयागराज/इलाहाबाद। ...प्रतिवादी

चूंकि ऊपर नमोल्लित ने इस न्यायालय से यह आवेदन किया है कि अतएव आपको एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के खिलाफ हेतु सदर्शित करने के लिए **2024 के 09 के 27 दिवस को 2 बजे पूर्वाह्न** में स्वयं या सम्यक रूपेण अनदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हों और ऐसा करने में असफल होने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।

ता.पेशी 27/09/2024

न्यायाधीश

इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में बीए–एलएलबी की 90 सीटें घटी

सीट बढ़ाने को लेकर बार काउंसिल ऑफ इंडिया की ओर से जताई गई थी आपत्ति

प्रयागराज इलाहाबाद यूनिवर्सिटी और इससे संबद्ध तीन कॉलेजों में बीए–एलएलबी में 90 सीटें घटा दी गई हैं। अब शैक्षणिक सत्र 2024–25 में कम हुई सीटों के सापेक्ष प्रवेश लिए जाएंगे। इलाहाबाद यूनिवर्सिटी और सीएमपी कॉलेज में 30–30 और ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज व एसएस खन्ना गर्ल्स कॉलेज

में 15–15 सीटें घटाई गई हैं। यह निर्णय बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा सीटें बढ़ाने पर की गई आपत्ति के बाद लिया गया है। यूनिवर्सिटी एवं संबद्ध कॉलेजों में सीयूईटी के तहत बीए–एलएलबी में प्रवेश होगा। इसके लिए 6 जुलाई से पंजीकरण शुरू हो चुका है और इसकी अंतिम तारीख 30 जुलाई है।

120 से बढ़ाकर 150 सीटों पर हो रहा था प्रवेश

इलाहाबाद यूनिवर्सिटी और सीएमपी में 120–120 सीटों पर प्रवेश हो रहा था। वर्ष 2020 में ईडब्लूएस कोटा लागू कर 25: सीटें बढ़ाकर प्रवेश लिए जाने लगे। इसके बाद यूनिवर्सिटी एवं सीएमपी में 150–150 सीटों पर प्रवेश दिए जाने लगे जबकि ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज और एसएस खन्ना में 60–60 के बजाय 75–75 सीटों पर प्रवेश होने लगे थे। यूनिवर्सिटी की जनसंपर्क अधिकारी प्रो. जया कपूर ने बताया कि बीएएलएलबी का पाठ्यक्रम बार काउंसिल ऑफ इंडिया के गाइडलाइन के तहत चलता है।

जिला न्यायालयों में नियुक्ति चाहने वाले का चरित्र बेदाग हो

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जिला न्यायालय अदालत, एटा के समूह घ

कर्मचारी की बर्खास्तगी को बरकरार रखते हुए कहा कि जिला न्यायालय अदालत में पद पर नियुक्ति चाहने वाले किसी भी व्यक्ति का चरित्र बेदाग होना चाहिए। उसका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं होना चाहिए। न्यायालय ने कहा कि बिना किसी साफ–सुथरे रिकॉर्ड के कोई भी व्यक्ति इस संस्था को नुकसान पहुंचा सकता है। जस्टिस महेश चंद्र त्रिपाठी और जस्टिस प्रशांत कुमार की खंडपीठ रामसेवक की विशेष अपील को खारिज करते हुए कहा, "जिला न्यायालय के न्यायाधीश के पद पर नियुक्ति चाहने वाले उम्मीदवार का चरित्र बेदाग होना चाहिए और उसका ईमानदार होना चाहिए, और उसका अतीत साफ–सुथरा होना चाहिए।

कोर्ट ने कहा–संस्था की प्रतिष्ठा को गंभीर नुकसान पहुंचेगा।

कोर्ट ने कहा कि अगर किसी ऐसे व्यक्ति की नियुक्ति की जाती है जिसकी ईमानदारी संदिग्ध है या उसका अतीत साफ–सुथरा नहीं है, तो इससे संस्था को नुकसान हो सकता है। क्योंकि अगर न्यायालय के रिकॉर्ड को गलत जगह रखा जाता है या उसके साथ छेड़छाड़ की जाती है, तो इससे वादियों के प्रति भारी पूर्वाग्रह पैदा होगा और न्यायिक प्रणाली में जनता का विश्वास भी डगमगाएगा, जिससे अंततः संस्था की प्रतिष्ठा को गंभीर नुकसान पहुंचेगा।" हाईकोर्ट ने पाया कि अपीलकर्ता को जनवरी में धारा 41–ए सीआरपीसी के तहत नोटिस मिल गया था, इसलिए हलफनामा दाखिल करते समय उसे आपराधिक मामले के बारे में पता था। कोर्ट ने कहा, "कर्मचारी के चरित्र का सत्यापन नियोक्ता द्वारा सुनिश्चित किया जाना चाहिए। जिला न्यायालय में नियुक्ति चाहने वाले उम्मीदवार का चरित्र बेदाग होना चाहिए और उसका पूर्व इतिहास साफ होना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति, जिसकी ईमानदारी संदिग्ध है और उसका इतिहास सही नहीं है, तो वह नियुक्ति का दावा नहीं कर सकता क्योंकि इससे संस्थान पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

जानबूझकर तथ्य छिपाने से संस्था पर गलत प्रभाव पड़ेगा

न्यायालय ने पाया कि आपराधिक इतिहास होने से किसी व्यक्ति की उम्मीदवारी स्वतरू रद्द नहीं हो जाती। चूंकि वर्तमान मामले में तथ्यों को जानबूझकर छिपाया गया था, इसलिए न्यायालय ने माना कि नियोक्ता द्वारा नियुक्ति रद्द की जा सकती है। क्योंकि जानबूझकर छिपाने से संस्था पर गलत प्रभाव पड़ सकता है। उत्तर प्रदेश राज्य जिला न्यायालय सेवा नियम, 2013 नियम 15 का हवाला दिया गया, जिसके अनुसार, किसी भी व्यक्ति को तब तक नियुक्त नहीं किया जाएगा जब तक कि नियुक्ति प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट न हो जाए कि वह अच्छे चरित्र का है और सेवा में नियुक्ति के लिए सभी मामलों में उपयुक्त है। हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न निर्णयों पर भरोसा करते हुए कहा कि किसी कर्मचारी से ईमानदारी और आचरण का उच्च मानक आवश्यक है। तदनुसार, कोर्ट ने विशेष अपील खारिज कर दी गई।

अदालती नोटिस

हेतु सदर्शित करने की सूचना (साधारण प्रारूप)
न्यायालय अपर सिविल जज वरिष्ठ श्रेणी कक्ष संख्या 17 इलाहाबाद।

उत्तराधिकार वाद संख्या 471 सन 2021

सुधीर कुमार शुक्ला बनाम **सुमन देवी आदि**

1. **सुमन देवी** उर्फ सुमन मिश्रा पत्नी स्व. अखिलेश चन्द्र मिश्रा निवासी मकान नंबर 231/186 न्यू ममफोर्डगंज इलाहाबाद। 2.**बृजेश कुमार शुक्ला** पुत्र स्व. मुन्नालाल शुक्ला निवासी मकान नंबर 145बी/12जी/ई कैलाशपुरी चौंदपुर सलोरी इलाहाबाद। 3.**अर्चना शुक्ला** उर्फ अर्चना मिश्रा पत्नी राजेश कुमार मिश्रा पुत्री स्वर्गीय मुन्नालाल निवासी अटरामपुर उर्फ नवाबगंज सोरांव इलाहाबाद। 4.**सुशील कुमार शुक्ला** पुत्र स्व. मुन्ना लाल शुक्ला निवासी मकान नंबर 145बी/12पी/1ई कैलाशपुरी चौंदपुर सलोरी गोविंदपुर इलाहाबाद। 5.**सुनील कुमार शुक्ला** पुत्र स्व. मुन्नालाल शुक्ला निवासी मकान नंबर 145बी/12पी/1ई कैलाशपुरी चौंदपुर सलोरी गोविंदपुर इलाहाबाद। ...प्रतिवादी

चूंकि ऊपर नमोल्लित ने इस न्यायालय से यह आवेदन किया है कि अतएव आपको एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के खिलाफ हेतु सदर्शित करने के लिए **2024 के 07 के 31 दिवस को 2 बजे पूर्वाह्न** में स्वयं या सम्यक रूपेण अनदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हों और ऐसा करने में असफल होने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।

ता.पेशी 31/07/2024

न्यायाधीश

संक्षिप्त

निर्मला सीतारमण द्वारा बजट में आयात शुल्क में कटौती की घोषणा के बाद सोने की कीमतों में गिरावट

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को बहुमूल्य धातुओं सोने और चांदी पर आयात शुल्क 15 प्रतिशत से घटाकर 6 प्रतिशत करने की घोषणा की। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को अपना लगातार सातवां केंद्रीय बजट 2024 पेश करते हुए सोने और चांदी पर सीमा शुल्क घटाने का ऐलान किया है। लोकसभा में बजट पेश करने के दौरान निर्मला सीतारमण ने कहा किसोने और कीमती धातु के आभूषणों में घरेलू मूल्यवर्धन को बढ़ाने के लिए, मैं सोने और चांदी के सीमा शुल्क को घटाकर 6: करने का प्रस्ताव करती हूं। सरकार की घोषणा के बाद, शेयर बाजार में सोने और आभूषण खुदरा विक्रेताओं के शेयरों में उछाल आया, जबकि सोने का वायदा लगभग 5: नीचे कारोबार कर रहा था। वित्त मंत्री ने लिथियम, तांबा, कोबाल्ट आदि सहित 25 महत्वपूर्ण खनिजों के लिए सीमा शुल्क में छूट की भी घोषणा की। इस कदम का असर भारत में सोने की कीमतों पर भी पड़ा क्योंकि देश में सोने की कीमतों में और गिरावट आई। कीमती धातुओं के सिक्कों, सोने/चांदी फाइंडिंग और सोने तथा चांदी की छड़ पर मूल सीमा शुल्क 15 प्रतिशत से घटाकर छह प्रतिशत करने की घोषणा की गई। सोने और चांदी के 'डोर' के लिए इसे 14.35 प्रतिशत से घटाकर 5.35 प्रतिशत करने का प्रस्ताव किया गया। प्लैटिनम, पैलेडियम, ऑस्मियम, रूथेनियम और इरीडियम पर शुल्क 15.4 प्रतिशत से घटाकर 6.4 प्रतिशत करने का प्रस्ताव है। रत्न एवं आभूषण निर्यातक पिछले कई साल से निर्यात तथा विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए कीमती धातुओं पर शुल्क में कटौती की मांग कर रहे हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, '' सीमा शुल्क के लिए मेरे प्रस्ताव का मकसद घरेलू विनिर्माण को समर्थन देना, स्थानीय मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देना, निर्यात प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना तथा आम जनता और उपभोक्ताओं के हितों को सर्वोपरि रखते हुए कराधान को सरल बनाना है।'' वित्त मंत्री द्वारा बजट पेश किए जाने के बाद सोने की कीमत में आई गिरावट से आम जनता के चेहरे खिल गए है। भारत में 22 कैरेट सोने की कीमत 250 रुपये घटकर 67,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट पीली धातु की 100 ग्राम की कीमत 2500 रुपये घटकर 6,74,500 रुपये रह गई। 24 कैरेट सोने की कीमत आज 270 रुपये घटकर 73,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 24 कैरेट कीमती धातु की 100 ग्राम की कीमत 2700 रुपये घटकर 7,35,800 रुपये रह गई। इस दौरान 18 कैरेट सोने की कीमत आज 200 रुपये घटकर 55,190 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई और 18 कैरेट पीली धातु की 100 ग्राम कीमत आज 2000 रुपये घटकर 5,51,900 रुपये रह गई।

प्राकृतिक खेती पर फोकस, बुनियादी ढांचे को बढ़ावा, किसानों के लिए मोदी सरकार में बजट 2024 में क्या है?

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए और नौ प्राथमिकताओं की रूपरेखा तैयार की जिसमें उत्पादकता बढ़ाना शामिल है। अपने बजट प्रेजेंटेशन के दौरान उन्होंने कहा कि अगले 2 साल में 1 करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती में मदद की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसानों द्वारा खेती के लिए 32 क्षेत्रीय और बागवानी फसलों की नई 109 उच्च उपज वाली और जलवायु लचीली किस्में जारी की जाएंगी। अगले 2 वर्षों में, 1 करोड़ किसानों को प्रमाणीकरण और ब्रांडिंग द्वारा समर्थित प्राकृतिक खेती में शामिल किया जाएगा। पांच राज्यों में जनसमर्थ आधारित किसान क्रेडिट कार्ड शुरू किया जाएगा।

वित्त मंत्री ने कहा कि 32 क्षेत्रीय और बागवानी फसलों की नई 109 उच्च उपज वाली और जलवायु–लचीली किस्में किसानों द्वारा खेती के लिए जारी की जाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को तेजी से आगे बढ़ाना और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा करना एक नीतिगत लक्ष्य होगा। सीतारमण ने कहा कि सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए सहकारी क्षेत्र के लिए एक राष्ट्रीय सहयोग नीति लाएगी। सरकार राज्यों के साथ साझेदारी में कृषि में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) के कार्यान्वयन की सुविधा भी देगी। उन्होंने झींगा ब्रूडस्टॉक्स के लिए न्यूक्लियस प्रजनन केंद्रों का एक नेटवर्क स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता की घोषणा की। उन्होंने कहा कि सरकार राज्यों के साथ साझेदारी में कृषि के लिए डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देगी। वित्त वर्ष 2024–25 का बजट पेश करते हुए उन्होंने कहा कि राज्यों के साथ साझेदारी में केंद्र कृषि के लिए डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देगा, जबकि पांच राज्यों में जनसमर्थन आधारित 'किसान क्रेडिट कार्ड' पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा सरकार दालों के उत्पादन, भंडारण तथा विपणन को मजबूत करेगी। ग्रामीण अर्थव्यवस्था की तेज वृद्धि और रोजगार के अवसरों का सृजन नीतिगत लक्ष्य होगा। उन्होंने कहा कि सरकार झींगा पालन और विपणन के लिए भी वित्त उपलब्ध कराएगी।

क्रिकेट मेरा भगवान है... हरमनप्रीत कौर ने कही अपने दिल की बात

हरमप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय टीम का अजेय सफर जारी है। नेपाल के खिलाफ मैच से पहले हरमनप्रीत कौर ने कहा कि क्रिकेट उनके लिए भगवान से कम नहीं है, क्योंकि इस खेल ने उन्हें सबकुछ दिया है। महिला एशिया कप में आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं।

महिला एशिया कप 2024 में हरमप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय टीम का अजेय सफर जारी है। नेपाल के खिलाफ मैच से पहले हरमनप्रीत कौर ने कहा कि क्रिकेट उनके लिए भगवान से कम नहीं है, क्योंकि इस खेल ने उन्हें सबकुछ दिया है। महिला एशिया कप में आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें चार–चार के दो ग्रुप में बांटा गया है। भारत के साथ पाकिस्तान, नेपाल और यूएई एक ग्रुप में हैं, जबकि श्रीलंका, थाईलैंड, बांग्लादेश और मलेशिया की टीमें ग्रुप–बी में हैं। भारतीय टीम ने पाकिस्तान और यूएई को हराया है और अगर आज नेपाल को हरा देती है। तो सेमीफाइनल का टिकट पक्का हो जाएगा। नेपाल के खिलाफ मैच से पहले हरमनप्रीत कौर ने बताया कि किस तरह से उनकी जिंदगी में क्रिकेट का रोल बहुत बड़ा है। वहीं स्टार स्पोर्ट्स पर हरमनप्रीत ने कहा कि, क्रिकेट मुझे लगता है ये मेरे लिए सबकुछ है। बिना क्रिकेट के मुझे लगता नहीं है कि मैं कुछ होती भी। क्रिकेट ने मुझे जो नाम दिया है वो किसी और फील्ड में मुझे नहीं मिल सकता था। तो मेरे लिए तो क्रिकेट भगवान है, मैंने जो भी बचपन में सपने देखे, देश के लिए लिए खेलना जो भी वो सब मुझे क्रिकेट ने ही दिया है। हरमन ने कहा कि जब उन्होंने पहली बार भारतीय टीम की जर्सी पहनी थी, तो वह एक बात को लेकर बहुत ज्यादा कन्फ्यूज हो गई थीं। उन्होंने कहा कि, ऑफ द फील्ड जब मुझे पहली बार इंडियन जर्सी मिली थी, तो मैंने इसे पहनकर एक फोटो क्लिक की थी। मैं सोच रही थी कि ये फोटो किसे पहले भेजूं, अपने मां–बाप को या अपने कोच को। मैं कनफ्यूज्ड थी क्योंकि दोनों ही मेरे लिए बराबर हैं। हरमन की कप्तानी में टीम इंडिया ने काफी आक्रामक होकर खेलना शुरू किया है इसके अलावा ड्रेसिंग रूम का माहौल भी काफी ज्यादा फ्रेंडली नजर आने लगा है। भारतीय भारतीय क्रिकेट टीम जिस तरह से खेल रही है, फिलहाल एशिया कप खिताब जीतने की प्रबल दावेदार नजर आ रही है।

नए कोच और कप्तान के साथ श्रीलंका पहुंची भारतीय टीम, एयरपोर्ट पर दिखा खिलाड़ियों का मस्ती भरा अंदाज

नई दिल्ली। भारतीय टीम तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए श्रीलंका पहुंच गई। नए मुख्य कोच गौतम गंभीर और नए कप्तान सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व में टीम इंडिया सोमवार को मुंबई से श्रीलंका के लिए रवाना हुई थी। अब टीम वहां पहुंच चुकी है और भारतीय खिलाड़ियों की तस्वीरें भी सामने आई हैं।

बीसीसीआई ने साझा किया खास वीडियो

भारतीय टीम के श्रीलंका पहुंचने की जानकारी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने दी। बोर्ड ने इस टीम का एक खास वीडियो साझा किया है जिसमें भारतीय खिलाड़ियों को मस्ती करते देखा जा सकता है। उन्हें फैंस के साथ सेल्फी लेते देखा जा सकता है। वहीं, गौतम गंभीर और सूर्यकुमार यादव के अलावा अन्य खिलाड़ी एयरपोर्ट से निकलकर टीम बस में सवार होते दिख रहे हैं। बस में भी खिलाड़ी चिल मोड में नजर आ रहे हैं।

भारत के श्रीलंका दौरे का कार्यक्रम

भारतीय टीम इस दौरे पर तीन मैचों की टी20 और इतने ही मैचों की वनडे सीरीज खेलती नजर आएगी। टी20 सीरीज का आगाज 27 जुलाई से होगा। दूसरा मैच 28 और तीसरा मुकाबला 30 जुलाई को खेला जाएगा। वहीं, वनडे सीरीज की शुरुआत दो अगस्त को होगी। इस सीरीज का दूसरा मैच चार अगस्त और तीसरा मैच सात अगस्त को खेला जाएगा। भारतीय टीम वनडे सीरीज में रोहित शर्मा के नेतृत्व में खेलती नजर आएगी।

सूर्या संभालेंगे टी20 टीम की कमान

तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए सूर्यकुमार यादव को कप्तान बनाया गया है। वहीं, शुभमन गिल को उप–कप्तानी का जिम्मा सौंपा गया है। यह पहला मौका नहीं है जब सूर्या टीम इंडिया की कमान संभालेंगे। इससे पहले सूर्यकुमार यादव पिछले साल नवंबर, 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में भारत की कप्तानी संभाल चुके हैं। उनके नेतृत्व में भारतीय टीम ने इस सीरीज को 4–1 से अपने नाम किया था। इसके बाद उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी दिसंबर में कप्तानी का मौका था। इस सीरीज को भारत ने 1–1 से बराबर किया था। उम्मीद है वह भारत को इस सीरीज में जीत दिलाने में कामयाब होंगे।

हार्दिक को क्यों नहीं मिली कप्तानी? अगरकर ने दिया जवाब

गौतम गंभीर के मुख्य कोच नियुक्त होते ही टी20 में कप्तानी स्तर पर बदलाव देखने को मिला। टी20 विश्व कप 2024 में उपकप्तान रहे हार्दिक पांड्या को रोहित शर्मा के टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास लेने के बाद रिप्लेसमेंट माना जा रहा था। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ। श्रीलंका दौरे के लिए सूर्यकुमार यादव को टी20 का नया कप्तान बनाया गया। इस पर अजीत अगरकर ने जवाब दिया। उन्होंने कहा, ष्पांड्या अब भी हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ियों में से एक हैं। हम चाहते हैं कि वह वो खिलाड़ी बनें जो वह बन सकते हैं। जो स्किल उनके पास है उन्हें ढूंढ़ना बेहद मुश्किल है। हालांकि, उनके लिए फिटनेस वाकई चुनौतीपूर्ण रहा है। ऐसे में कोच, चयनकर्ता और टीम मैनेजमेंट के लिए थोड़ा मुश्किल हो जाता है। हमारे पास अगले टी20 विश्व कप से पहले काफी समय है।

भारत के खिलाफ श्रीलंका के स्क्वॉड का ऐलान, चरिथ असलंका बनें नए टी20 कप्तान

वानिंदु हसरंगा के बाद असालांका को कप्तानी सौंपी गई है। हसरंगा ने अमेरिका और वेस्टइंडीज में पिछले महीने हुए टी20 विश्व कप में श्रीलंका की कप्तानी की थी। असालांका ने इस साल की शुरूआत में बांग्लादेश दौरे पर भी दो टी20 मैचों में श्रीलंका की कप्तानी की थी जब हसरंगा आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन के कारण निलंबन झेल रहे थे। चरिथ असालंका भारत के खिलाफ 27 जुलाई से शुरू हो रही तीन मैचों की टी20 सीरीज में श्रीलंका के कप्तान होंगे। असलंका ने टी20 विश्व कप में टीम के जल्दी बाहर होने के बाद इस्तीफा देने वाले स्पिन हरफनमौला वानिंदु हसरंगा की जगह ली है। स्पिन हरफनमौला वानिंदु हसरंगा के बाद असालांका को कप्तानी सौंपी गई है। हसरंगा ने अमेरिका और वेस्टइंडीज में पिछले महीने हुए टी20 विश्व कप में श्रीलंका की कप्तानी की थी। असालांका ने इस साल की शुरूआत में बांग्लादेश दौरे पर भी दो टी20 मैचों में श्रीलंका की कप्तानी की थी जब हसरंगा आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन के कारण निलंबन झेल रहे थे। श्रीलंका के पूर्व अंडर 19 कप्तान असालांका ने इस साल एलपीएल में जाफना किंग्स को अपनी कप्तानी में खिताब दिलाया था। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम सोमवार की रात को यहां पहुंच गई।

भारत के खिलाफ श्रीलंका टीम

चरित असालांका (कप्तान), पाथुम निसांका, कुसल जनित परेरा, अविष्का फर्नांडो, कुसल मेंडिस, दिनेश चांदीमल, कामिंदु मेंडिस, दासुन शनाका, वानिंदु हसरंगा, दुनिथ वेलालागे, महीष तीक्षणा, चामिंदु विक्रमसिंघे, मथीसा पथिराना, नुवान तुषारा, दुष्मंता चामीरा, बिनुरा फर्नांडो।

बिहार में बनेगा महाबोधि और विष्णुपद कॉरिडोर, बाढ़ से निपटने की भी तैयारी, 20 लाख हुई मुद्रा लोन की लिमिट

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आज केंद्रीय बजट 2024 पेश किया। यह इस साल का दूसरा बजट है, पहला अंतरिम बजट है जो लोकसभा चुनाव 2024 से पहले फरवरी में पेश किया गया था। वित्त मंत्री सीतारमण ने ऐलान किया कि सरकार आंध्र प्रदेश की राजधानी के विकास के लिए चालू वित्त वर्ष और भविष्य के वर्षों में 15,000 करोड़ रुपये की व्यवस्था करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार शहरी मकानों के लिए सस्ती दर पर कर्ज के लिए ब्याज सब्सिडी योजना लाएगी। उन्होंने कहा कि पीएम आवास योजना–शहरी 2.0 के तहत एक करोड़ परिवारों को 10 लाख करोड़ रुपये के निवेश से आवास मुहैया कराए जाएंगे। निर्मला सीतारमण ने बताया कि पूंजीगत व्यय के लिए 11.11 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया। उन्होंने बताया कि एनसीएलटी के आने से 3.3 लाख करोड़ रुपये कर्जदाताओं को लौटाने में मदद मिली, दिवाला समाधान प्रक्रिया को तेज करने के लिए नए न्यायाधिकरण गठित किए जाएंगे। सरकार ऊर्जा सुरक्षा एवं बदलाव के लिए एक नीतिगत दस्तावेज लेकर आएगी। उन्होंने कहा कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को अच्छी प्रतिक्रिया, 1.8 करोड़ लोगों ने इसके लिए पंजीकरण कराया है। सीतारमण ने कहा कि असम में बाढ़ नियंत्रण गतिविधियों के लिए केंद्र वित्तीय समर्थन देगा, बिहार में कोसी के लिए भी योजना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत 5,000 रुपये का मासिक भत्ता मिलेगा। वित्त मंत्री ने 30 लाख से अधिक आबादी वाले बड़े शहरों के लिए 'ट्रांजिट' आधारित विकास योजनाओं का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि पर्यटन विकास के लिए गया में विष्णुपाद मंदिर और बोधगया में महाबोधि मंदिर के आसपास गलियारा विकसित किया जाएगा। बिहार के पिरपैंती में 2,400 मेगवाट क्षमता का नया बिजलीघर बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शहरों के लिए 10 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान है। एनपीएस वात्सल्य योजना शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि आर्थिक वृद्धि को तेज करने के लिए सरकार अगली पीढ़ी के सुधार लाने के लिए आर्थिक नीति प्रारूप लेकर आएगी। उन्होंने बताया कि सरकार 25 ऐसी ग्रामीण बस्तियों में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे चरण का शुभारंभ करेगी, जो जनसंख्या वृद्धि के कारण पात्र हो गई हैं। वित्त मंत्री ने कहा किसरकार बाढ़ से निपटने के लिए बिहार को 11,500 करोड़ रुपये देगी। वित्त मंत्री ने राज्यों को बुनियादी ढांचा विकास में मदद देने के लिए 1.5 लाख करोड़ रुपये के दीर्घकालिक ब्याज मुक्त ऋण का प्रस्ताव रखा। बिहार में नालंदा को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने में केंद्र सरकार सहयोग करेगी। शहरी क्षेत्रों में भूमि रिकॉर्ड को डिजिटल किया जाएगा। इससे शहरी निकायों की वित्तीय स्थिति में सुधार होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि मुद्रा योजना के तहत ऋण सीमा दोगुनी यानी 20 लाख रुपये की जाएगी। लोकसभा में 2024–25 का बजट पेश करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार अगले पांच वर्षों में शीर्ष 500 कंपनियों में एक करोड़ युवाओं को 'इंटर्नशिप' के अवसर देने के लिए योजना शुरू करेगी। वित्त मंत्री ने कहा कि इसके अलावा केंद्र सरकार 100 शहरों में निवेश के लिए तैयार औद्योगिक पार्कों को भी बढ़ावा देगा।

IPL 2025 में होगी राहुल द्रविड़ की वापसी? इस चौंपियन टीम से जुड़ सकते हैं टीम इंडिया के पूर्व कोच

भारतीय टीम के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ का टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद कार्यकाल समाप्त हो गया था। वह आगे भी कोच की भूमिका में दिख सकते हैं। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में राहुल द्रविड़ कोच की भूमिका में दिख सकते हैं। वह पहले भी आईपीएल टीमों की कोचिंग सेटअप का हिस्सा रहे हैं। दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के साथ जुड़े रह चुके हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, 51 वर्षीय राहुल द्रविड़ संजू सैमसन की अगुवाई वाली टीम यानी राजस्थान रॉयल्स के हेड कोच के तौर पर वापसी कर सकते हैं। जल्द ही इसकी घोषणा हो सकती है। टीओआई ने एक सूत्र के हवाले से बताया है कि, राजस्थान रॉयल्स और राहुल द्रविड़ के बीच बातचीत चल रही है। जल्द ही इसे लेकर घोषणा होने वाली है। राहुल द्रविड़ का राजस्थान रॉयल्स से काफी पुराना रिश्ता है। वह टीम के कप्तान रहने के साथ–साथ मेंटर भी रहे हैं। साल 2013 में द्रविड़ की कप्तानी में राजस्थान रॉयल्स की टीम चौंपियंस लीग टी20 का फाइनल खेली थी। इसके अलावा आईपीएल के प्लेऑफ में पहुंची थी। इसके बाद 2014 और 2015 में टीम के मेंडर रहे। 2015 में टीम तीसरे नंबर पर रही थी। राहुल द्रविड़ 2016 और 2017 में दिल्ली कैपिटल्स के मेंटर थे। 2015 से द्रविड़ बीसीसीआई से भी जुड़े थे।

सम्पादकीय.......

कांवड़ यात्रा विवाद

सावन के माह में शिवभक्तों की कांवड़ यात्रा का लंबा पौराणिक इतिहास रहा है। आस्था के साथ इसका सांप्रदायिक सौहार्द का पक्ष भी सबल रहा है। लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार के एक हालिया आदेश से एक अनावश्यक विवाद को बल मिला है। दरअसल, प्रदेश सरकार ने आदेश दिया है कि कांवड़ मार्गों पर सभी खाद्य व पेय पदार्थों की दुकानों तथा होटलों के संचालकों व मालिकों को अपना नाम व पहचान प्रदर्शित करनी होगी। दलील दी गई है कि कांवड़धारियों की आस्था की पवित्रता को बनाये रखने तथा कांवड़ियों की शांतिपूर्ण आवाजाही सुनिश्चित करने के लिये आधिकारिक तौर पर यह कदम उठाया गया है। इसके अलावा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हलाल–प्रमाणित उत्पाद बेचने वाले विक्रेताओं के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी है। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए विपक्षी दलों के नेताओं व अन्य संप्रदायों के लोगों ने आदेश को अल्पसंख्यकों को अलग–थलग करने की कोशिश बताया है। दरअसल, एक पखवाड़े से अधिक समय तक चलने वाली कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़ियों और दुकानदारों के बीच अक्सर हिंसा देखने में आती रही है। जिसकी मुख्य वजह यह रही है कि कांवडिघ्यों और दुकानदारों के बीच मांसाहारी भोजन को लेकर बहस व विवाद होता रहा है। यही वजह है कि अगस्त, 2018 में पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में कांवड़ यात्रा के दौरान भड़की हिंसा व टकराव में निजी व सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की घटनाओं को सुप्रीम कोर्ट ने गंभीरता से लिया था। इतना ही नहीं, वर्ष 2022 में हरिद्वार में हरियाणा के कांवड़ियों के साथ हुए विवाद में सेना के एक जवान की कथित तौर पर हत्या कर दी गई थी।निस्संदेह, कांवड़ यात्रा के दौरान विभिन्न प्रकार के टकरावों से बचने के लिये राज्य सरकारों का दायित्व बनता है कि यात्रा मार्ग पर पर्याप्त संख्या पर पुलिसकर्मियों को तैनात करे। ताकि किसी भी प्रकार की हिंसा व गड़बड़ी को टाला जा सके। लेकिन एक बात तय है कि अल्पसंख्यकों द्वारा संचालित दुकानों को चिन्हित करने से न केवल सांप्रदायिक अलगाव को बढ़ावा मिलेगा, इस बात की भी कोई गारंटी नहीं है कि इससे कांवड़ियों व राहगीरों के बीच कोई टकराव नहीं होगा। दूसरी ओर केंद्र में सत्तारूढ़ राजग सरकार में शामिल भाजपा के दो सहयोगियों जनता दल यूनाइटेड तथा लोक जनशक्ति पार्टी ने भी यूपी सरकार के इस आदेश की आलोचना की है। वहीं बसपा सुप्रीमो मायावती ने इस आदेश को असंवैधानिक बताया है। यह साफ है कि उत्तर प्रदेश में हाल के लोकसभा चुनावों में ध्रुवीकरण की रणनीति भाजपा के लिये लाभदायक साबित नहीं हुई थी। लेकिन पार्टी राज्य में होने वाले विधानसभा उपचुनाव से पहले इसे फिर आजमाने के प्रलोभन से बच नहीं पायी है। दरअसल, चुनावी उलटफेर के बाद अपेक्षित चुनाव परिणाम हासिल न कर पाने वाली भाजपा अपने निराश बहुसंख्यक मतदाताओं को फिर अपने पाले में करने के लिये लालायित नजर आ रही है। लेकिन राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि यह चाल भाजपा के लिए उलटी भी पड़ सकती है।

संसद सत्रः कठघरे में होगी सरकार

एजेंसी

आंध्रप्रदेश की तेलुगु देसम पार्टी और बिहार का जनता दल यूनाइटेड क्रमशः 16 तथा 12 सांसदों के साथ इस उम्मीद से समर्थन दे रहे हैं कि उन्हें विशेष राज्य का दर्जा दिया जायेगा।

सोमवार से प्रारम्भ होने जा रहे संसद के मानसून सत्र में नयी सरकार की बड़ी घेराबन्दी तय है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी बहुत कमजोर कदमों से सरकार के रूप में संसद भवन पहुंची है, जबकि कांग्रेस के नेतृत्व में इंडिया गठबन्धन 2014 एवं 2019 की तुलना में बड़े आकार, एकजुटता और बढ़े हुए मनोबल के साथ संसद के दोनों सदनों में दहाड़ मारने को तैयार है। लोकसभा का पहला सत्र 22 जून से 2 जुलाई और राज्यसभा का सत्र 27 जून से 3 जुलाई तक हुआ था, जिसमें विपक्ष अपने दम की झलक दिखा चुका है। इस बीच राज्यसभा में भाजपा व उसके सहयोगी गठबन्धन नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस का घटा हुआ बहुमत सत्ताधारी दल को बैकफुट पर बैटिंग करने को मजबूर करेगा। पिछले सत्र में नीट परीक्षा के पेपर लीक का मामला जोर–शोर से उठा था, जो अब भी गरमाया हुआ है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नतीजे घोषित करने के आदेश के सन्दर्भ में सरकार की मुश्किलें बढ़ी हुई तो रहेंगी ही, अन्य और भी कई मुद्दे सरकार को परेशान करते रहेंगे। 12 अगस्त तक इस सत्र के चलने की सम्भावना है। मंगलवार को आम बजट पेश किया जायेगा जो नयी सरकार का पहला बजट होगा। इसे मोदी सरकार की पहली परीक्षा बतलाई जा रही है। भाजपा सरकार जिन दो दलों के समर्थन पर मुख्यतया टिकी हुई है, वे दोनों ही केन्द्र सरकार से भारी–भरकम आर्थिक पैकेजों की अपेक्षा कर रहे हैं। आंध्रप्रदेश की तेलुगु देसम पार्टी और बिहार का जनता दल यूनाइटेड क्रमशरू 16 तथा 12 सांसदों के साथ इस उम्मीद से समर्थन दे रहे हैं कि उन्हें विशेष राज्य का दर्जा दिया जायेगा। हालांकि अब राज्य की यह श्रेणी एक प्रकार से अस्तित्व में नहीं रह गई है लेकिन उसकी भरपाई अगर बड़ी राशि प्रदान करने से होती है तो अन्य राज्यों में सरकार एवं भाजपा के प्रति असंतोष बढ़ेगा, विशेषकर जिन राज्यों में भाजपा को शानदार सफलता लोकसभा और विधानसभा चुनावों में मिली है। ये राज्य हैं– छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, राजस्थान, ओडिशा आदि। यदि उनके साथ भेदभाव हुआ तो पार्टी अनुशासन के चलते इसकी खुली प्रतिक्रिया चाहे न हो, लेकिन असंतोष बढ़ेगा। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के लिये टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू और जेडीयू सुप्रीमो नीतीश कुमार को साधना चुनौती रहेगी। यह सत्र ऐसी परिस्थितियों में हो रहा है जब न सिर्फ सरकार कमजोर है, बल्कि हाल के कई घटनाक्रम इस बात की ओर साफ इशारा कर रहे हैं कि नरेन्द्र मोदी और उनके मुख्य सिपहसालार यानी केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की संगठन पर पकड़ छूटती जा रही है। अनेक नेताओं के बयान इस बात की गवाही दे रहे हैं। हालांकि स्थिति फिलहाल विस्फोटक तो नहीं कही जा सकती लेकिन यदि ऐसा ही चलता रहा तो वह दिन दूर नहीं होगा कि दोनों पहले संगठन पर और फिर सरकार पर अपना नियंत्रण खो बैठेंगे। हाल ही में कुछ नेताओं ने जिस प्रकार की बयानबाजियां की हैं वे या तो पार्टी की घोषित नीति के खिलाफ हैं या फिर उनके तीरों की दिशा मोदी–शाह की ओर है। भारतीय जनता पार्टी द्वारा किये जा रहे कुछ कार्यक्रम भी यही बता रहे हैं कि मोदी–शाह की जकड़ अब संगठन पर वैसी नहीं दिख रही है जो कुछ समय पहले तक थी। बहुत सम्भव है कि संसद के तकरीबन 20 दिन चलने वाले इस मानसून सत्र में इस बात के और भी सबूत मिलें जिस दौरान सरकार का सामना पहले से कहीं अधिक मजबूत विपक्ष के साथ–साथ अपने ही असंतुष्ट सहयोगियों से होने जा रहा है। शुरुआत करें तो, पश्चिम बंगाल के भारतीय जनता पार्टी नेता शुभेन्दु अधिकारी ने एक भाषण में कहा कि भाजपा को सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास का नारा छोड़ देना चाहिये। उनका इशारा भाजपा की मुस्लिमों को साथ लेने की कभी–कभार की जाने वाली कोशिशों की तरफ था। उनका बयान भाजपा के सहयोगी दल टीडीपी को भी नाराज कर सकता है जिसने मुस्लिमों के हक में कई कल्याणकारी कार्यक्रम लाने का ऐलान कर हालिया चुनावों में जीत दर्ज की है। ऐसे ही, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कांवड़ यात्रियों के रास्ते में लगने वाली दुकानों पर मालिकों को अपने नाम लिखने सम्बन्धी जो फरमान जारी किया गया है, वह भी मोदी सरकार की विपक्ष द्वारा ही नहीं वरन कुछ सहयोगी दलों द्वारा भी घेराबन्दी करने के लिये एक माकूल विषय हो सकता है। उल्लेखनीय है कि भाजपा के सहयोगी एवं एनडीए के घटक दल यथा राष्ट्रीय लोक दल, जेडीयू, एनसीपी आदि ने इस निर्णय की आलोचना कर इस निर्देश को वापस लेने का आग्रह किया है। टीडीपी, लोक जनशक्ति पार्टी, एनसीपी (अजित पवार गुट) जैसे दल इसे लेकर अपने मतदाताओं के सामने शर्मिन्दा हो सकते हैं जो धर्मनिरपेक्षता की नीति पर चलते हैं। यह आदेश न केवल साम्प्रदायिकता को बल्कि जातिवाद को भी बढ़ावा देने वाला माना जा रहा है। इस समय मोदी के साथ उप्र के सीएम योगी आदित्यनाथ की रस्साकशी जारी है। यह मुद्दा जोर–शोर से इस सत्र में उठेगा ही। देखना होगा कि मोदी इसे कैसे हैंडल करते हैं क्योंकि यह मामला सहज नहीं है। यदि इस निर्णय को मोदी गलत बताते हैं तो हिन्दुत्ववादी मतदाताओं में योगी का कद उनसे बड़ा हो जायेगा। वैसे भी अब तो प्रधानमंत्री पद के लिये योगी भाजपा समर्थकों के बीच मोदी से बेहतर माने जा रहे हैं। बेशक संसद का सत्र मोदी एवं उनकी सरकार के लिये मुश्किलों भरा होगा।

दलित पिछड़ा निशाना हैः मुसलमान तो बहाना है!

शकील अख्तर

इस समय देश में दो यात्राएं चल रही हैं। एक अमरनाथ यात्रा जो पूरी मुस्लिम आबादी के बीच से होती हुई जाती है। दूसरी कांवड़ यात्रा जो अधिकांश हिन्दू आबादी के बीच से होती हुई निकलती है। जहां बीच–बीच में मिली–जुली आबादी भी है। अमरनाथ यात्रा सैकड़ों साल पुरानी है। तब भी नहीं रुकी जब कश्मीर में आतंकवाद चरम पर था। जम्मू से कश्मीर होकर जाने का ही मार्ग है। एक बार पाक समर्थित हिजबुल मुजाहिदीन ने यात्रा रोकने की धमकी दी थी। आश्चर्यजनक रूप से दूसरा सबसे बड़ा आतंकवादी संगठन जो कश्मीर में आतंकवाद शुरू करने वाला भी माना जाता है जेकेएलएफ (जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट) हिजबुल के सामने खड़ा हो गया। जेकेएलएफ ने बाकायदा प्रेस नोट जारी करके कहा कि हम यात्रा को सुरक्षा देंगे। और अगर हिजबुल ने कोई गलती करने की कोशिश की तो उसे इसका गंभीर खामियाजा भुगतना पड़ेगा। यात्रा हुई। कश्मीर के मुसलमानों ने यात्रा का जबर्दस्त स्वागत किया। शान से हुई। और अभी भी चल रही है। रक्षाबंधन के दिन 19 अगस्त को खत्म होगी। यह है हमारे देश की मिलीजुली संस्कृति। हिन्दी हैं हमवतन हैं हिन्दोस्तां हमारा। दूसरी तरफ इस बार कांवड़ यात्रा में खुद सरकार विवाद पैदा कर रही है। आजादी को रोकने के लिए अंग्रेजों ने जो हिन्दू पानी मुस्लिम पानी, हिन्दू चाय मुस्लिम चाय शुरू की थी। वह अब भाजपा सरकार कर रही है। कांवड़ यात्रा रूट पर मुसलमानों से कहा जा रहा है कि अपने खाने–पीने की दुकानों यहां तक की फलों के ठेले पर भी अपना नाम लिख कर टांगों। जिस विभाजन को खत्म करके नेहरू ने भारत का नवनिर्माण किया था। उसे फिर बांटा जा रहा है। और यह यहां नहीं रुकेगा। मुसलमान की तो पहचान जगजाहिर है। उसके नाम से पता चलता है। और वह कभी छुपाता भी नहीं है। मगर दलित और पिछड़ों के लिए बहुत बड़ी मुश्किल खड़ी होगी। गांव से वह शहर इसीलिए आता है कि गांव में जाति के कारण उसे अलग थलग किया जाता है। प्रताड़ित भी। घोड़ी पर नहीं बैठ सकता। मूंछें नहीं रख सकता। अभी कई जगह तो चप्पल पहनकर घर के सामने से निकलने पर बुरी तरह मारा गया और चप्पल सिर पर रखवाकर जुलूस निकाला गया।शहर में उसे यह समस्या नहीं है। कोई उसकी जाति नहीं जानता। लेकिन अब यह जो शुरूआत की है नाम लिखाने की भारतीय के अलावा और पहचान बताने की वह उसे खाने–पीने का कोई काम नहीं करने देगा। बाकी जगह नौकरी करने पर भी असर पड़ेगा। सरकारी नौकरियां तो खत्म कर दीं। दलित ओबीसी प्राइवेट में ही कर रहा है। या सरकारी दफ्तरों में भी ठेके पर। जहां जाति प्रमाणपत्र की कोई जरूरत नहीं है। कम तनखा और काम ज्यादा वही कर सकता है इसलिए उसे रखा जा रहा है। मगर अब पहचान उनसे भी पूछी जाएगी। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि कोई दलित अपनी जाति नाम के साथ कोई ढाबा या खाने–पीने की रेहड़ी, ठेला भी लगा सकता है? मुसलमान तो होटल खोलता है ठेला भी लगाता है। कोई सफाईकर्मी अपनी जाति लिखकर एक छोटा सा खाने–पीने का ठेला भी लगाए तो सोचिए क्या होगा? मुसलमान के यहां तो जाकर खाते हैं मगर उसके यहां खाना तो दूर ठेला ही उठाकर फेंक दिया जाएगा। सेना में चमार रेजिमेंट की मांग हो रही है। जाट रेजिमेंट, राजपूत रेजिमेंट की तरह। वह होना तो बहुत दूर की बात है। अगर वह अपने नाम से भुट्टा भी बेचने लगे तो वहां से भी उसे उठाकर भगा दिया जाएगा। गोदी मीडिया यूपी सरकार के इस फैसले का बड़ा समर्थन कर रहा है। पूछ रहा है कि आपत्ति क्या? वह एक रियलटी चेक कर ले। कांवड़ यात्रा मार्ग पर या कहीं भी एक चमड़े का काम करने वाले के नाम से, एक सफाई करने वाले के नाम से चाय–पकौड़े का, दाल–रोटी का या फल की ही सही एक–एक रेहड़ी लगाकर बैठ जाए। देखें क्या होता है? हां सावधानी के तौर पर डिस्केल्मर यह हम जरूर बता देते हैं कि आसपास पहले बाउंसर का इंतजाम जरूर कर लेना। नहीं तो जो नफरती भीड़ बना दी गई वह रेहड़ी तो फेंकेगी ही, मार–पीट भी करेगी। और उससे आगे भी जा सकती है। इसलिए मीडिया यह प्रयोग करे तो अपने रिस्क पर और बचाव के पूरे साधनों के साथ। पुलिस को भी हम सावधान करना चाहते हैं कि वह भी नफरती भीड़ के सामने होशियारी से आए। यूपी में ही कई जगह पुलिस के बड़े अफसरों पर हमला हुआ है। एक इंसपेक्टर सुबोध कुमार सिंह की तो हत्या ही कर दी थी। और आरोपियों को न केवल जमानत मिल गई बल्कि बीजेपी में पदाधिकारी भी बना दिया गया। छह साल हो गए हैं अभी तक किसी को सजा नहीं हुई है। नफरत देश को कहां ले जाएगी। पता नहीं। आजादी के लिए लड़ने वालों ने इस नफरत से लड़ते हुए ही देश को एक रखा है। लाल किले में आजाद हिंद फौज के क्रान्तिकारियों का ट्रायल शुरू होने वाला था। सहगल, ढिल्लन, शाहनवाज अंग्रेजों की आंख के कांटे यहीं थे। नेहरू जिसे ये इतना बदनाम करते हैं उन्होंने इन क्रान्तिकारियों का मुकदमा लड़ने के लिए मुद्दत बाद वापस अपना वकालत वाला काला कोट पहना था। गांधी उनसे मिलने गए। तो बातों में मालूम पड़ा कि वहां सुबह हिन्दू चाय–मुसलमान चाय अलग–अलग आती है। गांधी ने पूछा फिर आप क्या करते हो। उन्होंने बताया कि हम एक बर्तन में दोनों मिला लेते हैं। और फिर मिल बांट कर पी लेते हैं। कर्नल ढिल्लन ने अपनी आत्मकथा फ्रम माय बोन्स में लिखा है कि महात्मा गांधी इतने खुश हुए कि बोले अब अंग्रेज ज्यादा दिन यहां नहीं रह सकते। मगर अब फिर उसी विभाजनकारी दौर को लाने की कोशिश की जा रही है। याद है कोरोना जब शुरू था तो मुसलमानों पर आरोप लगाया गया कि वे थूक जिहाद कर रहे हैं। कई पत्रकारों ने एंकरों ने लिखा बोला कि हमने उन्हें थूकते हुए देखा है। तब्लिगी जमात के कई लोग गिरफ्तार कर लिए गए। उन पर कोरोना फैलाने के आरोप लगाए। हमने उसी समय 2 अप्रैल 2020 को लिखा था कि कोरोना से लड़ो उसमें हिन्दू–मुसलमान न करो। झूठ और नफरत मत फैलाओ। कोरोना से लड़ाई कमजोर होगी। वही हुआ। उस लेख का शीर्षक था–कोरोना को हरा नहीं बनाओ! लेकिन पूरी ताकत उसमें लगा दी। इलाज, इंजेक्शन, दवाइयां, अस्पताल, आक्सीजन सब भूल गए। शव पुलॉ से नीचे फेंके गए। नदियों में बहाए गए। मगर हिन्दू–मुसलमान जारी रखा। क्या हुआ? लाखों मर गए। अब वैक्सिनेशन पर भी सवाल उठ रहे हैं। युवा अचानक गिर कर मर रहे हैं। और फिर अभी पिछले महीने कोर्ट का फैसला आ गया। तब्लिगी जमात पर लगे सब आरोप गलत साबित हुए। सब आरोपियों को बाइज्जत बरी किया गया। लेकिन झूठ फैलाना था। फैला दिया। अब फिर वैसे ही थूक की और दूसरी घृणित कहानियां चलाई जा रही हैं। अच्छी सरकार लोगों के स्तर को ऊपर ले जाती है। पढ़ाई–लिखाई, नौकरी, स्वास्थ्य, अच्छे जीवन की बातें होती हैं। नफरती सरकारें थूक और उससे भी अशोभनीय चीजों को चर्चा का केन्द्र बना देती है। पिछले दस साल में जितना शब्द गोबर लिखा और बोला गया है पिछले सौ सालों में भी नहीं। अभी बांग्लादेश में हुए छात्र पुलिस संघर्ष के बाद पता चला कि सैकड़ों भारतीय छात्र भी वहां से वापस आए हैं। यह हाल कर दिया हमारी शिक्षा व्यवस्था का। भारतीय छात्र पढ़ने छोटे –छोटे देशों में जा रहे हैं। लड़ाई थी मोदी और योगी की। लोकसभा चुनाव के कमजोर रिजल्ट ने बहुत सारे सवाल खड़े कर दिए। कौन बड़ा है? कौन रहेगा? भविष्य किसका है? संघ किसके साथ है? लेकिन जैसा अंग्रेज करते थे हर सवाल का जवाब हिन्दू–मुसलमान में ढूंढने की कोशिश करते थे। असफल हुए। जाना पड़ा। वैसे ही अब ये सरकारें कर रही हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

नेपाल की नयी सरकार के साथ खुले दिमाग से पेश आना होगा

अरुण कुमार श्रीवास्तव

नेपाल में सीपीएन (यूएमएल)नेता केपी शर्मा ओली के नेतृत्व में एक नयी सरकार ने सत्ता संभाली है। ओली 21 जुलाई को संसद में विश्वास मत हासिल करने के लिए तैयार हैं। साथ में सीपीएन (यूएमएल)और नेपाली कांग्रेस के गठबंधन के पास निचले सदन में कुल 167 सीटों के साथ एक आरामदायक बहुमत है, जो 138 सीटों की आवश्यक सीमा को पार कर जाता है। इससे ओली का विश्वास मत एक सीधी प्रक्रिया प्रतीत होती है। नेपाल, एक छोटा सा भू–आबद्ध देश है जो अपने ऊंचे हिमालय पर्वतों के लिए जाना जाता है। यह देश भारत और चीन के बीच अपने रणनीतिक स्थान के कारण भी महत्वपूर्ण भू–राजनीतिक महत्व रखता है इसलिए दोनों देश नेपाल में अपने–अपने प्रभाव के लिए होड़ करते हैं। भारत नेपाल में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा राजनयिक मिशन रखता है, जो नेपाल के सामरिक महत्व और देश के मामलों में भारत की गहरी रुचि को रेखांकित करता है। संयुक्त राज्य अमेरिका और कई यूरोपीय देश नेपाल में होने वाले घटनाक्रमों पर बारीकी से नजर रखते हैं, क्योंकि वे इस क्षेत्र की भू–राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हालांकि, चीन भी नेपाल में अपने प्रभाव को सक्रिय रूप से बढ़ा रहा है, खास तौर पर विभिन्न बुनियादी ढांचे और विकास परियोजनाओं के जरिए। 2015 की घटना के नेपाली संस्करण के अनुसार, भारत ने उस वर्ष नेपाल पर आर्थिक नाकेबंदी लगाई थी, तथा भारत की सीमा से लगे मैदानी इलाकों में रहने वाले मधेसी समुदाय पर नये संविधान के प्रभाव को लेकर चिंता जताई गई थी। इस नाकेबंदी ने दोनों देशों के बीच संबंधों को तनावपूर्ण बना दिया था, लेकिन कई महीनों के बाद इसे हटा लिया गया, जिससे नेपाली जनता की भावना में अधिक संतुलित विदेश नीति दृष्टिकोण की ओर बदलाव आया। केपी शर्मा ओली ने पहले प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया, लेकिन भारत के साथ नेपाल के ऐतिहासिक संबंधों के बावजूद, अपने कार्यकाल के दौरान चीन की ओर झुकाव के लिए उन्हें आलोचना का सामना करना पड़ा। उनके प्रशासन ने चीन के साथ कई समझौतों पर हस्ताक्षर किये, हालांकि भारत तक आसान पहुंच की तुलना में नेपाल के कठिन भूभाग द्वारा उत्पन्न रसद चुनौतियों के कारण कई समझौते अभी तक मूर्तरूप नहीं ले पाये हैं। ओली के चीन समर्थक रुख से असंतुष्ट होने के बाद, उनकी सरकार की लोकप्रियता कम हो गई, जिसके कारण 2019 में उन्हें सत्ता से बाहर होना पड़ा। इसके बाद, पुष्पकमल दहल प्रचंड ने नेपाली कांग्रेस और सीपीएन (यूएमएल) के समर्थन से प्रधानमंत्री की भूमिका संभाली, तथा अपने कार्यकाल के दौरान वह कई अविश्वास प्रस्तावों से निपटे। अब केपी शर्मा ओली के सत्ता में लौटने के साथ, इस क्षेत्र के देश बड़ी बारीकी से देख रहे हैं कि उनका नेतृत्व नेपाल के नाजुक भू–राजनीतिक संतुलन और भारत और चीन के साथ उसके संबंधों को कैसे प्रभावित करेगा। उनका आगामी विश्वास मत आने वाले महीनों में नेपाल के शासन की स्थिरता और दिशा निर्धारित करने में महत्वपूर्ण होगा। नेपाल में एक नई सरकार को एक गंभीर दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है जो बेरोजगारी और शिक्षा जैसे पुराने मुद्दों को संबोधित करे। स्थायी समाधान की कुंजी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता और पर्याप्त निवेश में निहित है। नेपाल के शासन में राजनीतिक अस्थिरता की विशेषता रही है, जो राष्ट्र निर्माण और संस्थागत विकास और आर्थिक प्रगति में बाधा डालती है। स्थायी परिणाम प्राप्त करने के लिए नागरिकों, नीति निर्माताओं और हितधारकों की ओर से धैर्य और प्रतिबद्धता के साथ भागीदारी की आवश्यकता होती है। नेपाल की भविष्य की सफलता के लिए तर्कसंगत दृष्टिकोण अपनाना और यथार्थवादीअपेक्षाएं निर्धारित करना महत्वपूर्ण है। वर्तमान में, मीडिया और बुद्धिजीवी अक्सर राजनीतिक घटनाक्रमों को सनसनीखेज बनाते हैं, अस्थिरता को बनाये रखते हैं, और राष्ट्रीय विकास के लिए महत्वपूर्ण दीर्घकालिक लक्ष्यों से ध्यान भटकाते हैं। नेतृत्व परिवर्तन का आवर्ती चक्र, जिसका उदाहरण केपी शर्मा ओली के कार्यकाल में हुए बदलाव हैं, निरंतर चुनौती को दर्शाता है। केवल भू–राजनीतिक पैंतरेबाजी पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, नेपाल की समृद्धि का मार्ग आंतरिक चिंतन और एक दशक या उससे अधिक समय तक जमीनी स्तर पर निरंतर प्रयासों पर टिका है। तभी जाकर नेपाल पड़ोसी भारत के साथ संबंधों जैसे बाहरी चिंताओं से सार्थक रूप से जुड़ सकता है। भारत नेपाल में नई सरकार के गठन को द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में देखेगा, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जिनमें अपार संभावनाएं हैं। नेपाल का ऊर्जा परिदृश्य, विशेष रूप से जलविद्युत और नवीकरणीय ऊर्जा में, सहयोग के लिए आशाजनक रास्ते प्रस्तुत करता है। भारत की पर्याप्त बिजली की मांग को देखते हुए, नेपाल की जलविद्युत क्षमताओं का दोहन पारस्परिक रूप से लाभकारी साबित हो सकता है। इसके अलावा, नेपाल के माध्यम से रेल मार्ग जैसी रणनीतिक अवसंरचनात्मक परियोजनाएं भारत के उत्तर पूर्व में कनेक्टिविटी को बढ़ा सकती हैं, जो चल रही पहलों का पूरक है। ईको–टूरिज्म द्विपक्षीय सहयोग के लिए एक और आशाजनक क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। नेपाल अन्नपूर्णा रेंज जैसे प्राचीन स्थलों की पेशकश करता है, जो उच्च–बजट वाले यात्रियों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। नेपाल के पर्यटन बुनियादी ढांचे में निवेश को बढ़ावा देकर भारत को लाभ होगा। आर्थिक संबंध पहले से ही मजबूत हैं, यह इस बात से स्पष्ट है कि नेपाल भारत को धन भेजने वाला सातवां सबसे बड़ा देश है। आर्थिक सहयोग को और मजबूत करने से छोटे–मोटे विवादों को सुलझाने से परे पर्याप्त पारस्परिक लाभ मिल सकते हैं। इसलिए, नेपाल के पर्यटन बुनियादी ढांचे में निवेश को बढ़ावा देने से भारत को लाभ होगा। दोनों देशों को विवादास्पद मुद्दों पर ध्यान देने के बजाय आर्थिक तालमेल को अधिकतम करने की दिशा में काम करना चाहिए।नेपाल में नये प्रशासन के आने के साथ ही, आर्थिक समृद्धि और रणनीतिक सहयोग पर आधारित संबंधों को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है। द्विपक्षीय मुद्दों को संबोधित करने के अलावा, नेपाल क्षेत्रीय संघर्षों में मध्यस्थ के रूप में महत्वपूर्ण क्षमता रखता है। भारत और चीन के बीच टकराव अक्सर सुर्खियों में रहता है। नेपाल की संघर्षरत दलों के बीच शांति को बढ़ावा देने की क्षमता एक आकर्षक संभावना है। भारतीय उपमहाद्वीप और दक्षिण एशिया का भू–राजनीतिक परिदृश्य नेपाल की सर्वसम्मति निर्माता के रूप में संभावित भूमिका को रेखांकित करता है। उदाहरण के लिए, पिछले तीन वर्षों में म्यांमार के स्थायी सैन्य शासन और नागरिक अशांति और बांग्लादेश में रोहिंग्या संकट के बीच हस्तक्षेप की आवश्यकता है। शांति सुविधाकर्ता के रूप में काठमांडू का उभरना एक उल्लेखनीय उपलब्धि होगी।

सानू आजकल शीशा बड़ा छेड़ दा पर दीपिका सिंह ने किया बेहद खूबसूरत डांस, वायरल हो रहा वीडियो

> "दीपिका सिंह ने अपनी इस डांस वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर किया। वीडियो में वह पंजाबी गाना सानू आजकल शीशा बड़ा छेड़ दा पर डांस करती नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने रेड कलर का सूट पहना हुआ है, जिसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं। इस सूट के साथ उन्होंने ग्रीन कलर का दुपट्टा कैरी किया हुआ था।

दीया और बाती हम से नेम फेम कमाने के बाद टीवी एक्ट्रेस दीपिका सिंह की किस्मत पूरी तरह बदल चुकी है। वह अपनी एक्टिंग के अलावा, डांस वीडियो के लिए भी काफी सुर्खियों में बनी रहती हैं। एक्ट्रेस ने सोमवार को अपनी एक डांस वीडियो साझा की जिसे काफी पसंद किया जा रहा है। दीपिका सिंह ने अपनी इस डांस वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर किया। वीडियो में वह पंजाबी गाना सानू आजकल शीशा बड़ा छेड़ दा पर डांस करती नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने रेड कलर का सूट पहना हुआ है, जिसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं। इस सूट के साथ उन्होंने ग्रीन कलर का दुपट्टा कैरी किया हुआ था। लुक की बात करें तो उन्होंने अपना बालों को खुला रखा और माथे पर बिंदी और गले में मंगलसूत्र पहना, साथ दोनों हाथों में एक–एक कंगन थे। उनके लुक को देख ऐसा लग रहा था कि उन्होंने शूटिंग के बीच अपने इस डांस वीडियो को बनाया है। सानू आजकल शीशा बड़ा छेड़ दा गाने को पंजाबी फिल्म इक्को मिक्के से लिया गया है। इस गाने में आवाज देने के साथ–साथ लिरिक्स लिखने और कंपोज करने का काम सतिंदर सरताज ने किया है। फिल्म में सतिंदर सरताज, अदिति शर्मा, सरदार सोही, महाबीर भुल्लर, शिवानी सैनी, वंदना शर्मा, बेगो बलविंदर, विजय कुमार, नवदीप कलेर, मनिंदर वैली, राज धालीवाल, नूर चहल, उमंग शर्मा जैसे शानदार कलाकार लीड रोल में हैं। एक्ट्रेस के बारे में बात करें तो एक्ट्रेस ने छोटे पर्दे पर दीया और बाती हम सीरियल से डेब्यू किया। इसमें उन्होंने संध्या राठी का किरदार निभाया। इस शो से वह रातों रात फेमस हो गईं। इसके बाद वह कवच... महाशिवरात्रि में दिखाई दीं। साल 2018 में, उन्होंने द रियल सोलमेट वेब सीरीज में भी काम किया। फिलहाल, वह मंगल लक्ष्मी में नजर आ रही हैं। यह दो बहनों मंगल और लक्ष्मी की कहानी है। मंगल चाहती है कि उसकी बहन को ऐसा घर मिले जहां उसका सम्मान हो। यह शो कलर्स पर प्रसारित होता है।

सोनाक्षी ने डरते-डरते पिता को बताया था जहीर के बारे में, शत्रुघ्न सिन्हा ने सुनते ही दिया था ये रिएक्शन

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की शादी को लगभग एक महीना हो गया है और खुशनुमा यादें जल्द ही फीकी नहीं पड़ने वाली हैं। लगभग सात साल लंबे रिलेशन में रहने के बाद दोनों 23 जून को मुंबई के बांद्रा में अभिनेत्री के अपार्टमेंट में एक निजी समारोह में शादी के बंधन में बंध गए। अब, हाल ही में एक इंटरव्यू में जहीर ने सोनाक्षी के पिता शत्रुघ्न सिन्हा से मुलाकात को याद किया और बताया कि कैसे उन्होंने उनकी शादी के बारे में बातचीत शुरू की। सोनाक्षी और जहीर ने यह भी बताया कि कैसे उन्होंने अपने रिश्ते की खबर सोनाक्षी के पिता व दिग्गज अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा को दी और कपल ने उन अफवाहों पर भी बात की जिसमें कहा गया कि उनका परिवार इस शादी के खिलाफ था। इंटरव्यू में सोनाक्षी सिन्हा ने स्वीकार किया कि जब उन्होंने अपने पिता शत्रुघ्न सिन्हा से जहीर इकबाल के साथ अपनी शादी की योजना के बारे में बात की तो वे घबरा गई थीं। अभिनेत्री ने एक मीडिया पोर्टल को बताया–जब मैंने अपने पिता को हमारे बारे में बताया, तो मैं भी बहुत घबरा गई थी। मुझे नहीं पता था कि वह कैसे प्रतिक्रिया देंगे। मैं इसे वास्तव में शांत रखने की कोशिश कर रही थी। मैंने उनसे पूछा, क्या आप मेरी शादी के बारे में चिंतित नहीं हैं क्योंकि आपने मुझसे इसके बारे में कुछ नहीं पूछा है? उन्होंने कहा– मैंने आपकी मां से पूछा है अपनी बेटी से पूछो। फिर मैंने उन्हें बताया कि मेरे जीवन में जहीर नाम का एक लड़का है, और उन्होंने कहा–हां मैंने भी पढ़ा था। सोनाक्षी बताती हैं कि उनके पिता ने कहा– तुम लोग बड़े हो गए हो मिया बीवी राजी तो क्या करेगा काजी। मैं सोच रही थी, ओह, यह तो आसान था! मुझे एहसास हुआ कि मेरे पिता कितने शांत और शांत हैं। वह हमारे रिश्ते को लेकर वास्तव में सहायक थे। जहीर इकबाल ने कहा कि उनके ससुर शत्रुघ्न सिन्हा सबसे प्यारे हैं। जहीर इकबाल ने अपने ससुर शत्रुघ्न सिन्हा की खूब तारीफ की। अभिनेता ने बताया–मैं उनके घर गया और मैं घबराया हुआ था, क्योंकि उस पल तक मैंने उनसे आमने–सामने कभी बात नहीं की थी। जिस पल हमने बातचीत शुरू की, हमने लाखों चीजों पर चर्चा की और हम दोस्त की तरह बन गए। बेशक, मैंने उनसे यह भी कहा कि मैं उनसे (सोनाक्षी सिन्हा) शादी के लिए पूछना चाहता हूं। मुझे पता है कि उनकी छवि डराने वाले की है, लेकिन वे बहुत सच्चे, शांत स्वभाव के हैं और वे सबसे प्यारे व्यक्ति हैं जिनसे मैं लंबे समय में मिला हूं।

'एफआईआर' की 'चंद्रमुखी चौटाला' ने टीवी इंडस्ट्री को कहा अलविदा

'एफआईआर', 'कहानी घर घर की' और अन्य शो के लिए लोकप्रिय कविता कौशिक ने टेलीविजन छोड़ दिया है। अभिनेत्री अब अपने पति के साथ पहाड़ों में रहती हैं, जहाँ वे आयुर्वेदिक व्यवसाय चलाते हैं। उन्होंने बताया कि अनियमित काम के घंटे और पिछड़ा हुआ टीवी कंटेंट उनके इस निर्णय के पीछे मुख्य कारण हैं। कविता कौशिक ने हाल ही में एक साक्षात्कार में कहा कि वह अब 30 दिनों तक काम नहीं कर सकती हैं। उन्होंने टाइम्स नाउ से कहा, ष्टीवी तो मुझे करना ही नहीं है। मैं 30 दिन काम नहीं कर सकती। मैं वेब शो या फिल्में करने के लिए तैयार हूं, लेकिन मैं कोई आम दिखने वाली हीरोइन नहीं हूं, जिसे आसानी से हर तरह की शूटिंग में कास्ट किया जा सके। मेरे व्यक्तित्व के हिसाब से सिर्फ़ कुछ ही तरह के रोल हैं। मुझे शैतानी रस्में जैसे दिन के टीवी प्रोजेक्ट ऑफर होते रहते हैं। लेकिन मैं अब वैसी ज़िंदगी नहीं जी सकती, जैसी तीन साल पहले थी, जब मैं फुल टाइम टेलीविज़न कर रही थी। मैं उस दौर के लिए शुक्रगुज़ार हूं, लेकिन मैं छोटी थी और मुझे पैसे चाहिए थे। लेकिन अब मैं उस तरह का समय नहीं दे सकती। असल में, जब FIR में इतना समय नहीं लगता था, तब भी मैं शिकायत करती थी।''अभिनेता ने टीवी कंटेंट को प्रतिगामी भी कहा। उन्होंने कहा, ष्टीवी कंटेंट भी बहुत पिछड़ा हुआ है और इसलिए मैं इसका हिस्सा नहीं बनना चाहती। एक समय था जब टीवी प्रगतिशील था और हमारे पास अलग–अलग तरह के शो थे। इसमें विविधता थी और सभी के लिए मनोरंजन था। लेकिन अब, हम जिस तरह का कंटेंट दिखा रहे हैं, वह युवा पीढ़ी के लिए वाकई बहुत बुरा है।'' आगे उन्होंने कहा, ''हम अपने रियलिटी शो और ड्रामा में जिस तरह का पिछड़ापन दिखाते हैं, उससे लोग एक–दूसरे से नफरत करने लगते हैं। मैं भी इसका हिस्सा रही हूं और मुझे बहुत खेद है। मैंने भी किसी तरह से उस पिछड़ेपन में योगदान दिया है। मैं टेलीविजन पर दिखाए जाने वाले शो को स्वीकार नहीं करती। जो भी बोलो, हम इंडियन हैं और हमें लगता है जो टीवी पर दिख रहा है वो सच है। हम अवचेतन रूप से इससे प्रेरित होते हैं।'' कविता अब अपने पति रोनित बिस्वास के साथ पहाड़ों में एक शांत जीवन जी रही हैं। वे दोनों मिलकर आयुर्वेदिक व्यवसाय चलाते हैं। उन्होंने कहा, ''मैं अब अपने पति के साथ पहाड़ों में रहती हूँ और हम यहाँ आयुर्वेदिक व्यवसाय चलाते हैं। मैंने मुंबई छोड़ दिया है और मैं केवल तभी आती हूँ जब मुझे यहाँ शूटिंग करनी होती है। हम शुरू में गोवा चले गए थे, लेकिन वहाँ की गर्मी मुझे परेशान कर रही थी। यह बहुत ज़्यादा थी। साथ ही, पहाड़ों में हमें सभी सामग्री आसानी से मिल जाती है क्योंकि यहाँ का मौसम बहुत अच्छा है। हम अब उत्तराखंड में हैं। अब मैं जानवरों के साथ एक बड़े बंगले में रहती हूँ और एक बड़ा बगीचा है जहाँ मैं सब कुछ उगाती हूँ। अब मैं ज़्यादा गाय और हंस पालूँगी। मैंने मनोरंजन उद्योग में बहुत काम किया है, लेकिन अब मुझे यह जीवनशैली पसंद है।'' कविता कौशिक, जो टेलीविज़न पर काफ़ी लोकप्रिय चेहरा हैं, श्एफ़आईआरश में सब इंस्पेक्टर चंद्रमुखी चौटाला के रूप में घर–घर में मशहूर हो गईं। उन्हें आखिरी बार श्मैडम सरश में देखा गया था।

एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने कान छिदवाए, बोलीं– यह प्यारा है

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने अपने कान छिदवा लिए हैं। एक्ट्रेस ने रविवार को अपने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन में एक वीडियो भी शेयर किया है। वीडियो में उन्हें नये इयर रिंग दिखाते हुए देखा जा सकता है। उन्होंने अपने फॉलोअर्स को अपने पियर्सिंग के बारे में भी बताया। वीडियो में एक्ट्रेस को इंडियन ड्रेस में देखा जा सकता है। वह नई एक्सेसरी दिखाते हुए मुस्कुरा रही हैं। अनन्या ने वीडियो के साथ लिखा, आज अचानक से मैंने अपने कान छिदवाने का फैसला किया और यह प्यारा है। इससे पहले अनन्या ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी वैनिटी वैन के अंदर की एक फोटो शेयर की थी, जिसमें उनकी जरूरी चीजें दिखाई गई थीं। अनन्या ने सलमान खान, करीना कपूर खान और करिश्मा कपूर के पोस्टर की ओर इशारा किया। अनन्या ने फोटो के कैप्शन में लिखा था, मेरी वैनिटी वैन की जरूरी चीजें। हालांकि, बाद में एक्ट्रेस ने अपनी वैनिटी वैन की एसेंशियल की स्टोरी को डिलीट कर दिया। इस बीच, अनन्या के अब भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या के साथ नजदीकियां बढ़ाने की अफवाह है। ऐसा कहा जाता है कि अनन्या का कथित तौर पर एक्टर आदित्य रॉय कपूर के साथ ब्रेकअप हो गया। अनन्या और हार्दिक दोनों के प्रशंसक उनकी बढ़ती नजदीकियों को लेकर उत्साहित हैं।

कभी दूर–कभी पास, कैसा है अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय साथ! तलाक की अफवाहों के बीच दोनों की साथ में तस्वीर वायरल

बॉलीवुड की सबसे मशहूर जोड़ी ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन अपने तलाक की अफवाहों के कारण चर्चा में हैं। दोनों ने हमेशा अपनी केमिस्ट्री से लोगों को प्यार के पल दिए हैं। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी में अलग–अलग पहुंचे अभिषेक और ऐश्वर्या ने खूब सुर्खियां बटोरीं। वैसे, अभिषेक और ऐश्वर्या की यह तस्वीर 2021 की है। इसी साल उनके तलाक की अफवाहें उड़ी थीं, जिसे इस तस्वीर के साथ कपल ने खत्म कर दिया। अब, 2024 में फिर से ऐश्वर्या और अभिषेक के तलाक की अफवाहें उड़ रही हैं। न तो ऐश्वर्या और न ही अभिषेक ने इस बारे में कुछ कहा है। हाल ही में अभिषेक को शहर में देखा गया, जहां वे खिलाड़ियों से बात करने में व्यस्त थे। हालांकि, अभिषेक ने एक तलाक की पोस्ट को लाइक किया, जिसमें लिखा था, श्जब प्यार आसान नहीं रह जाता। शादीशुदा जोड़े अब अलग हो रहे हैं। उनके इस फैसले की वजह क्या है। इस बारे में अभी कुछ नही कहा जा सकता है। आखिर ग्रे तलाक के मामले क्यों बढ़ रहे हैं?श यह एक गंभीर विषय है। ऐश्वर्या अपनी बेटी आराध्या के साथ अंबानी की शादी के रेड कार्पेट पर चलीं। वहीं, अभिषेक अमिताभ बच्चन, जया बच्चन और श्वेता बच्चन के साथ पहुंचे। अंदर के वीडियो में दिखाया गया कि ऐश्वर्या और आराध्या अभिषेक के साथ फिर से मिल गईं, जबकि अफवाहों के अनुसार दोनों अपने आस–पास बैठे मेहमानों से बात कर रहे थे।

सावन के महीने में हाथों पर लगाएं भगवान शिव और झूला मेहंदी डिजाइन, सौभाग्य की प्राप्ति होगी

सावन का महीना हिंदू धर्म बेहद ही शुभ और पवित्र माना जाता है। इस महीने में भगवान शिव की पूजा होती है। सावन के महीने में श्रृंगार का काफी महत्व होता है। सावन महीने में महिलाओं को श्रृंगार करना और हाथों पर मेहंदी लगाना बेहद शुभ माना जाता है। वहीं, इस माह में सावन के झूलों का विशेष महत्व होता है। सावन माह में मेहंदी लगाने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। सावन के महीने में कई सारे त्योहार आते हैं, जहां हाथों में मेहंदी लगाने का मौका मिल जाता है। सावन में तीज का त्योहार और रक्षाबंधन का पर्व आता है। तब सभी महिलाएं अपने हाथों पर मेहंदी लगाती हैं। अगर आप भी मेहंदी लगवाने की डिजाइन सोच रहे हैं तो हम आपको इस लेख में बताते हैं।

भगवान शिव और झूला मेहंदी डिजाइन

सावन के दौरान आप इस मेहंदी के डिजाइन को अपने हाथों में सजवाना चाहते हैं, तो आप इस डिजाइन को जरुर ट्राई करें। एक हथेली पर भगवान शिव और माता पार्वती के डिजाइन को बनाया गया है। इसके साथ उंगली पर ऊं नमः शिवाय लिखवा सकते है। दूसरे हाथ में आप झूले पर बैठी महिला का डिजाइन बनवा सकते हैं। आसपास फूल के डिजाइन तैयार कर सकते है।

दोनों हाथ में बनाएं झूला वाला मेहंदी डिजाइन

सावन के माह में आप भी अपने दोनों हाथों में झूला मेहंदी डिजाइन बना सकते हैं। इसके के लिए आपको दोनों हाथों में झूले के डिजाइन बनाने होंगे। आसपास खाली जगह पर फूल और पत्तियों के डिजाइन बना सकते हैं।

दिमाग को हमेशा दुरुस्त रखेंगी ये एक्सरसाइज, करें इन्हें रोजाना

अच्छे मस्तिष्क स्वास्थ्य के लिए व्यायाम और कुछ खास तरह की गतिविधियाँ अत्यंत महत्वपूर्ण होती हैं। इन व्यायामों और गतिविधियों का समावेश अपनी दिनचर्या में करने से आप मस्तिष्क की कार्यक्षमता को सुधार सकते हैं, स्मृति को मजबूत कर सकते हैं, तनाव को कम कर सकते हैं, और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा दे सकते हैं। इस विशेष बात को ध्यान में रखते हुए, निम्नलिखित लेख में हम इन व्यायामों के फायदों और विस्तार से बात करेंगे।

एरोबिक व्यायाम

मस्तिष्क में रक्त प्रवाह बढ़ाता है, नए मस्तिष्क कोशिकाओं के विकास को प्रोत्साहित करता है, मूड को सुधारता है, स्मृति और प्रसंस्करण गति सहित चेतना की क्षमता में सुधार करता है।

सामयिक ध्यान

तनाव और चिंता को कम करता है, ध्यान और एकाग्रता में सुधार करता है, भावनात्मक नियंत्रण में सुधार करता है, समग्र मस्तिष्क स्वास्थ्य और सहनशीलता को बढ़ाता है।

शक्ति प्रशिक्षण

मांसपेशियों को मजबूत बनाता है, मस्तिष्क कार्यक्षमता को बढ़ाता है, स्मृति में सुधार करता है, और मस्तिष्क स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाले रसायनिक उत्पादों के निर्माण में सहायक होता है।

योग

शारीरिक आसनों, प्राणायाम, और ध्यान का संयोजन करता है, लचीलापन, संतुलन, और मानसिक स्पष्टता में सुधार करता है, तनाव को कम करता है और विश्राम को बढ़ाता है, चेतना की क्षमता को बढ़ाता है।

पहेलियाँ और मस्तिष्क खेल

समस्या हल, महत्वपूर्ण सोच, और स्मृति को बढ़ाता है, नई कार्यों और पैटर्न के साथ मस्तिष्क को चुनौती देता है, न्यूरोप्लास्टिसिटी को बढ़ाता है।

नृत्य

शारीरिक व्यायाम को मानसिक उत्तेजना के साथ मिलाकर मस्तिष्क की कार्यक्षमता को बढ़ाता है, समरूपता और स्थानिक जागरूकता में सुधार करता है, स्मृति को बढ़ाता है, और संगीत और सामाजिक संवाद के माध्यम से मूड को बेहतर बनाता है।

ताई ची

संतुलन, लचीलापन, और मानसिक ध्यान में सुधार करता है, तनाव और चिंता को कम करता है, गहरी सांस लेने और सामयिक ध्यान के साथ गतिविधियों को संयोजित करता है, चेतना की क्षमता को बढ़ाता है। इन व्यायामों और गतिविधियों को अपनी दिनचर्या में शामिल करके आप मस्तिष्क को स्वस्थ रख सकते हैं, कोग्निटिव क्षमताओं को बढ़ा सकते हैं, और बुढ़ापे के साथ मस्तिष्कीय कमजोरी का खतरा कम कर सकते हैं।

डिलीवरी के बाद कलाई में हमेशा रहता है दर्द, तो परेशान होने की बजाय इस तरह पाएं आराम

मां बनाना जितना खुशनुमा है उतना ही यह कई परेशानियां भी लेकर आता है। प्रेग्नेंसी तक ही नहीं डिलीवरी के बाद महिलाओं को कई तरह की चुनौतियों से गुजरना पड़ता है। महिलाओं को होने वाली परेशानियों में से एक है कलाई में दर्द, जिसकी शिकायत अकसर डिलीवरी के बाद होती है। बच्चे के जन्म के बाद मां की कलाई में दर्द एक सामान्य समस्या है, लेकिन उचित देखभाल और सही उपायों से इसे कम किया जा सकता है। सही पोषण और आराम के साथ, मां जल्द ही अपने सामान्य जीवन में वापस आ सकती है। जानते हैं कैसे

कारण और उपाय

कलाई में दर्द के मुख्य कारणः

– यह स्थिति तब होती है जब कलाई की उंगलियों की ओर जाने वाली नसें सूज जाती हैं।

– बच्चे को उठाने, दूध पिलाने, और अन्य दैनिक कार्यों में कलाई पर अत्यधिक दबाव पड़ता है, जिससे यह दर्द होता है।

– गर्भावस्था और प्रसव के बाद हार्मोनल परिवर्तन भी मांसपेशियों और नसों में बदलाव का कारण बन सकते हैं, जिससे कलाई में दर्द होता है।

– नींद की कमी और शारीरिक थकान भी मांसपेशियों में खिंचाव और दर्द का कारण बन सकते हैं।

दर्द से राहत के उपायः

आराम और समर्थनः कलाई को आराम दें और उसे समर्थन प्रदान करें। कलाई का ब्रेस पहनना लाभकारी हो सकता है। बच्चे को उठाते समय सही पोजिशन का ध्यान रखें ताकि कलाई पर कम दबाव पड़े।

स्ट्रेचिंग और व्यायामः कलाई की मांसपेशियों को स्ट्रेच करें और हल्के व्यायाम करें जो दर्द को कम करने में मदद करें। हाथों को आगे और पीछे की ओर स्ट्रेच करें।

आइस पैक और हीट पैक– आइस पैक लगाने से सूजन और दर्द कम हो सकता है। गर्म पानी में हाथ डुबोकर रखने से भी आराम मिल सकता है।

मालिशः कलाई की हल्की मालिश करें ताकि रक्त संचार बेहतर हो और दर्द कम हो।

प्रसव के बाद मां का खान–पानः

प्रोटीन, विटामिन, और मिनरल युक्त आहार का सेवन करें। हरी पत्तेदार सब्जियां, फल, दूध, दही, अंडे, मछली, और नट्स शामिल करें। पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। दिन में कम से कम 8–10 गिलास पानी पिएं।आयरन और कैल्शियम युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें, जैसे कि दूध, पनीर, दही, हरी सब्जियाँ, और ड्राई फ्रूट्स। ओमेगा–3 फैटी एसिड युक्त खाद्य पदार्थ, जैसे कि मछली, अलसी, और अखरोट, शामिल करें। कब्ज से बचने के लिए फाइबर युक्त खाद्य पदार्थ, जैसे कि साबुत अनाज, फल, और सब्जियां, खाएं।

बस पानी में भिगोकर खाएं ये चीज, डेढ़ पसली वालों का भी बढ़ जाएगा वजन

पतले लोगों की ज्यादातर समस्या होती है कि उनक वजन बढ़ जाए। दुबला–पतला शरीर होने की वजह से कई बार लोग उनका मजाक उड़ाते हैं। अरे डेढ़ पसली, ओ सूखी हड्डी, कुछ खाया कर, किसी दिन हवा में उड़ जाएगा, ऐसी तमाम बातें पतले लोग सुनते रहते हैं। जिन लोगों के शरीर पर मांस नहीं होता है। इस वजह से उनकी पसलियां साफ–साफ नजर आती है। यह कमजोरी की निशानी भी होती है। अगर आप इसे दूर करना चाहते हैं तो एक महीने में यह खास उपाय जरुर करें। अंजीर में ऐसे पोषक तत्व होते हैं जो हेल्दी रखने के साथ ही वजन बढ़ाने में कारगर साबित होते हैं। इसके साथ ही कई फायदें मिलते हैं। रात को 2–3 अंजीर को भीगोकर रखें और सुबह खाली पेट खाएं।

जितना पोषण, उतना ही शरीर पर मांस चढ़ेगा

अंजीर को भिगोकर खाने से पोषण काफी मिलता है। जब अंजीर भिगोए जाते हैं, तो पानी में महत्वपूर्ण विटामिन और मिनरल रिलीज करता है। यूएसडीए के मुताबिक अंजीर में प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व होते हैं। जो शरीर को ताकत देते हैं।

बेहतर डायजेशन

भीगे हुए अंजीर के सेवन करने से डायजेशन बेहतर होता है। इसमें मौजूद कॉम्पलैक्स ग्लूकोज और फाइबर टूट जाते हैं, जिससे पचाना आसान हो जाता है। इससे कुछ एंजाइम एक्टिव हो जाते हैं, इससे सूजन और कब्ज की संभावना कम हो जाती है।

हार्ट हेल्थ के लिए सबसे बढ़िया

भीगे हुए अंजीर का सेवन करना बेहद फायदेमंद है इसमें पोटेशियम होता है, जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल रखने में मदद करता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और डाइटरी फाइबर खराब कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम रखने में मदद करता है।

हड्डियां होगी मजबूत

अंजीर में कैल्शियम और मैग्नीशियम प्रचुर मात्रा में होते हैं। यह हड्डियों को मजबूत बनाए रखने में मदद करता है। इससे ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा कम हो जाता है। भीगे हुए अंजीर के सेवन से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है।

इन 5 जगहों को एक्सप्लोर किए बिना अधूरी है दिल्ली की ट्रिप, वीकेंड पर बनाएं प्लान

दिल्ली में शॉपिंग करनी हो, या ऐतिहासिक स्थल देखना हो। यहां पर हर किसी के लिए कुछ न कुछ खास जरूर मौजूद है। देश की राजधानी दिल्ली घूमने के लिहाज से एक बढ़िया जगह है। बता दें कि दिल्ली में शॉपिंग मॉल, स्ट्रीट फूड एरिया और कई ऐतिहासिक जगहें हैं। जहां पर आप घूम सकते हैं। हर साल भारी संख्या में पर्यटक दिल्ली को एक्सप्लोर करने के लिए यहां आते हैं। दिल्ली में आपको आधुनिकता और इतिहास का अनोखा संगम देखने को मिलता है। ऐसे में अगर आप भी दिल्ली घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आप यहां की विविधता और धरोहर का आनंद ले सकते हैं। ऐसे में इस आर्टिकल के जरिए हम आपको दिल्ली के कुछ फेमस जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आपको एक बार जरूर जाना चाहिए।

लाल किला

दिल्ली घूमने के दौरान लाल किला को एक्सप्लोर करना न भूलें। लाल किला को रेड फोर्ट भी कहा जाता है और यह एक ऐतिहासिक जगह है। साल 1648 में मुगल शासक शाहजहां ने लाल किला बनवाया था। यह दिल्ली की सबसे फेमस जगहों में से एक है। यहां पर भारत के ही नहीं बल्कि विदेशी पर्यटक भी आते हैं। मंगलवार से लेकर रविवार तक लाल किला पर्यटकों के लिए खुला रहता है।

अक्षरधाम

अक्षरधाम मंदिर को स्वामी नारायण अक्षरधाम मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। यह मंदिर न सिर्फ दिल्ली बल्कि पूरे भारत में फेमस है।

जामा मस्जिद

दिल्ली के जामा मस्जिद को मस्जिद–ए–जहांनुमा के नाम से भी जाना जाता है। यह एक प्रमुख और ऐतिहासिक मस्जिद होने के साथ भारत की सबसे बड़ी मस्जिदों में से एक है। साल 1656 में मुगल शासक शाहजहां ने जामा मस्जिद का निर्माण करवाया था। इस मस्जिद में करीब 25,000 लोग एक साथ नमाज अदा कर सकते हैं।

कनॉट प्लेस

दिल्ली में घूमने के लिहाज से कनॉट प्लेस एक बेहतरीन जगह है। यह जगह दिल्ली का अट्रेक्शन प्वाइंट है। इस जगह को सीपी के नाम से भी जाना जाता है। वहीं कनॉट प्लेस को दिल्ली का दिल भी कहा जाता है। कनॉट प्लेस में शॉपिंग से लेकर घूमने तक के लिए काफी कुछ है। यहां पर कई फेमस रेस्टोरेंट भी हैं। कनॉट प्लेस का सेंट्रल पार्क काफी ज्यादा फेमस है।

इंडिया गेट

दिल्ली का इंडिया गेट यहां का मेन अट्रैक्शन है। ऐसे में आपको दिल्ली में एक बार इंडिया गेट जरूर जाना चाहिए। इंडिया गेट 42 मीटर ऊंचा एक युद्ध स्मारक है, जिसको प्रथम विश्व युद्ध और अफगान युद्ध में शहीद हुए इंडियन सोल्जर की याद में बनाया गया था। इसके मुख्य आकर्षण का केंद्र अमर जवान ज्योति और इसके आसपास के पार्क हैं।

सेलेक्ट सिटी वॉक

दिल्ली के साकेत में स्थित सलेक्ट सिटी वॉक मॉल एक फेमस शॉपिंग मॉल है। यह जगह एंटरटेनमेंट, फूड और सोशल एक्टिविटी के लिए बेस्ट प्लेस है। इस मॉल में कई कैफे, रेस्तरां और फूड कोर्ट हैं।

विश्वनाथ में केंद्रीय हिंदी निदेशालय शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा हिंदीतर भाषी हिंदी नवलेखक शिविर का आयोजन

पांच दिवसीय इस शिविर में देश के प्रसिद्ध हिंदी विद्वान शिरकत करेंगे

शिविर में उपस्थित प्रायरूसौ शिविरार्थियों को हिंदी भाषा तथा साहित्य की विविध विधाओं के ज्ञान से लाभान्वित होंगे

बिश्वनाथ, स केंद्रीय हिंदी निदेशालय, शिक्षा मंत्रालय (उच्चतर शिक्षा विभाग) भारत सरकार तथा बिश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति के संयुक्त तत्वावधान में हिंदीतर भाषी हिंदी नवलेखक शिविर का आयोजित किया गया है। इस पाँच दिवसीय शिविर का विषय है हिंदी भाषा तथा साहित्य की विविध विधाओं पर परिचर्चा एवं कार्यशाला जो आगामी २५ जुलाई से २६ जुलाई तक आयोजित होंगे।२५ जुलाई को १०.०० बजे से ११.३० बजे तक उद्घाटन सत्र होंगे जिसमें

अध्यक्षता करेगें प्रभुनाथ सिंह, अध्यक्ष, वि. चा.रा.भा. प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति जबकि मुख्य अतिथि है प्रमोद बरठाकुर, विधायक, विश्वनाथ विधानसभा समष्टि, विशिष्ट अतिथि डॉ. चिंतामणि शर्मा, प्राचार्य, विश्वनाथ महाविद्यालय एंव अमरज्योति बरठाकुर, पौरपति, विश्वनाथ चारिआलि नगरपालिका और निमंत्रित अतिथि के रुप मे भाग लेगें गुम्पी डूसो लोम्बि, हिंदी अधिकारी, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश। दीप प्रज्वलन करेगी डॉ. नेहा यादव, जिला आयुक्त, विश्वनाथ एवं सरस्वती वंदना प्रस्तुत करेगी संस्थान के विद्यार्थी तथा कार्यकर्ताओं द्वारा।स्वागत भाषण संस्थान के उपाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा इसके बाद ऑनलाइन माध्यम के जरिए केंद्रीय हिंदी निदेशालय, भारत सरकार के निदेशक प्रो० सुनील बाबुराव कुलकर्णी जी सभा उद्बोधन व्याख्यान देंगे ।संस्थान का परिचय देंगे शिविर निदेशक व संस्थान के सचिव संतोष कुमार महतो ने। केंद्रीय हिंदी निदेशालय के सहायक निदेशक (भाषा) व शिविर प्रभारी डॉ० शालिनी राजवंशी द्वारा निदेशालय का परिचय प्रस्तुत होगा। संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष सूर्य नारायण पाण्डेय के द्वारा संचालित उद्घाटन सत्र में धन्यवाद ज्ञापन साहित्यिक सचिव मदनगोपाल साहू करेंगे।

इस नवलेखक शिविर के दौरान हिंदी भाषा तथा साहित्य की विविध विधाओं पर व्याख्यान सत्र प्रस्तुत होगें जिसमें देश के कई हिंदी भाषाओं के पडिंतों ने भाग लेगें।जिसमें अखिल भारतीय स्तरीय के मार्गदर्शक के रूप में क्रमशः पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय बठिंडा पंजाब के जनसंचार तथा मीडिया अध्ययन विभाग के सह –प्राध्यापक डॉ० किंशुक पाठक, पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वनाथ, शिलांग मेघालय के हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ० आलोक सिंह, नागालैंड विश्वविद्यालय, कोहिमा के हिंदी विभाग सहायक आचार्य डॉ० बृजेश कुमार और स्थानीय मार्गदर्शक व विद्वान के रूप में क्रमशः तेजपुर केंद्रीय विश्वविद्यालय, तेजपुर असम के हिंदी विभाग के वरिष्ठ सहायक आचार्य डॉ० अनुशब्द, राजीव गाँधी विश्वविद्यालय, ईटानगर अरूणाचल प्रदेश के हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ० राजीव रंजन प्रसाद, पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी, तेजपुर के अध्यक्षा रीता सिंह सर्जना, नगाँव विश्वविद्यालय , नगाँव के हिंदी विभाग सहायक आचार्या डॉ० करबी देवी, विश्वनाथ वरिष्ठ साहित्यकार व सेवानिवृत्त हिंदी शिक्षक हरि लुईटेल (उपाध्याय) तथा प्रागज्योतिष महाविद्यालय, गुवाहाटी हिंदी विभाग के सहायक आचार्या डॉ० नंदिता राजवंशी मौजूद रहेंगे।

शिविर के अंतिम दिन सोमवार, २९ जुलाई को द्वादश सत्र में कृषि यंत्र प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान, उत्तर पूर्वी क्षेत्र, विश्वनाथ तथा भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा स्वीकृति प्राप्त भारत के सर्वश्रेष्ठ गाँव पर्यटन नगरी गुप्तकाशी विश्वनाथ स्थल पर मार्गदर्शक द्वारा शिविरार्थियों के साथ हिंदी भाषा तथा साहित्य की विविध विधाओं पर प्रत्यक्ष दर्शन पर परिचर्चा होंगे। इस सत्र के सान्निध्य के रूप में अखिल भारतीय मार्गदर्शक, स्थानीय हिंदी विद्वान और असम के वरिष्ठ हिंदी प्रचारक व राज्यपाल द्वारा सम्मानित शंकर प्रसाद साहू मौजूद रहेंगे।दोपहर २ से ५ बजे तक समापन सत्र होगें जंहा प्रभुनाथ सिंह, अध्यक्ष, वि.चा.रा.भा. प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति, मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. क्षीरदा कुमार शइकीया, मंत्री, असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, असम, विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. अनुशब्द, वरिष्ठ सहायक आचार्य, हिंदी विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय, डॉ. चंद्रशेखर चौबे, क्षेत्रीय निदेशक, गुवाहाटी केंद्र, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा, प्रदीप कुमार शर्मा, अध्यक्ष, विश्वनाथ जिला समिति, असम साहित्य सभा, निमंत्रित अतिथि के रूप में ध्रुवज्योति दास, अतिरिक्त जिला आयुक्त तथा जिला मिशन समन्वयक, समग्र शिक्षा, हेमकुमार गौतम , जिलाध्यक्ष, विश्वनाथ जिला समिति,असम नेपाली साहित्य सभा, सान्निध्य के रूप में भवेन देउरी, जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी, विश्वनाथ, दीप प्रज्वलक के रूप में जितेन भागवती,वरिष्ठ शिक्षाविद व समाजसेवक,विश्वनाथ,

भाग लेगें। समापन सत्र के स्वागत भाषण मरू जमीर अहमद, वरिष्ठ कवि व संस्थान के हिंदी प्रेमी सदस्य प्रस्तुत करेंगे। संस्थान के उपाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता के द्वारा संचालित समापन सत्र में संस्थान के सदस्या व विश्वनाथ महाविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यापिका गीता वर्मा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ गरिमामयी कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से होंगे।इस संपूर्ण कार्यक्रम का शिविर समन्वयक व संयोजक संतोष कुमार महतो की भूमिका में होगी। उल्लेखनीय है कि यदि कोई हिंदी व साहित्य प्रेमी शिविर में भाग लेना चाहते हैं तो संपर्क 7896611494 करें।

25 जुलाई को एक अलंकरण समारोह में महिला श्री साहित्य साधना सम्मान 2024 सें सम्मानित होगी सुमन ढ़ीगरा दुग्गल

प्रयागराज । आगामी 25 जुलाई 2024 (गुरुवार) को एक अलंकरण समारोह में शहर समता महिला काव्यगोष्ठी की राष्ट्रीय महासचिव सुमन ढ़ीगरा दुग्गल को शहर समता विचार मंच की ओर से महिला श्री साहित्य साधना सम्मान 2024 से अलंकृत किया जाएगा एवं उन पर केंद्रित विशेषांक का लोकार्पण भी होगा तथा साथ में 51 सौ रुपये की धनराशि भी प्रदान की जाएगी।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीप्रकाश मिश्र करेंगे एवं डॉ रामजी मिश्र मुख्य अतिथि एवं वरिष्ठ कवयित्री प्रेमा राय, डॉ ऊषा मिश्रा तथा डॉ सरोज सिंह विशिष्ट अतिथि रहेगीं। इस आयोजन में शहर समता महिला काव्यगोष्ठी के चयनित 21 सक्रिय पदाधिकारियों को शहर समता गौरव सम्मान से सम्मानित किया जाएगा जिसमें अर्चना चौहान उ0प्र0, शोभा त्रिपाठी छत्तीसगढ़,उमा मिश्रा प्रीति म0प्र0, नीता शर्मा शिलांग इकाई मेघालय, अफरोज अजीज दिल्ली इकाई दिल्ली, आनोवारा खातुन विश्वनाथ इकाई असम, रंजना बिनानी तिनसुकिया गोलाघाट इकाई असम, अंजू भारती बिहार, यामा शर्मा महासचिव देहरादून इकाई उत्तराखंड, साधना शुक्ला भोपाल इकाई मध्य प्रदेश,अनीता दूबे जबलपुर इकाई मध्य प्रदेश,सीमा वर्णिका कानपुर इकाई उत्तर प्रदेश, प्रवीणा त्रिवेदी नोएडा इकाई उत्तर प्रदेश, आकाँक्षा पाल प्रयागराज इकाई उत्तर प्रदेश, विभा श्रीवास्तव गोंडा इकाई उत्तर प्रदेश, रितु बाला रस्तोगी, बिजनौर इकाई उत्तर प्रदेश, श्रद्धा कश्यप धम्तरी इकाई छत्तीसगढ़, संगीता बनाफर बिलासपुर छत्तीसगढ़, रीना प्रदीप कुमार हैदराबाद कें नाम उल्लेखनीय हैं। उपरोक्त जानकारी शहर समता महिला काव्यगोष्ठी की राष्ट्रीय अध्यक्ष रचना सक्सेना नें दी ।

घर में सो रहे मासूम की जहरीले जंतु के काटने से हुई

प्रतापगढ़, कुण्डा। घर में परिजनो संग सो रहे चार वर्षीय बालक को किसी जहरीले जंतु ने काट लिया। बालक ने परिजनों को काटने की बात बताई तो घबराए परिजन उसे निजी चिकित्सक के पास ले गए। डॉक्टर ने उसकी हालत गंभीर देख रेफर कर दिया। परिजन उसे कुंडा सीएचसी ले गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। महेशगंज थाना क्षेत्र के कोटवा झींगुर गांव निवासी अर्जुन मौर्य सोमवार रात अपनी पत्नी कमला देवी, छह वर्षीय बेटी सुरभि व चार वर्षीय बेटे कीर्ति मौर्य के साथ घर में सो रहा था। मंगलवार सुबह करीब छह बजे कीर्ति बिस्तर से उठा तो मां को जगाकर कुछ काटने और दर्द होने की बात बताई। घबराए परिजन पहले मासूम को निजी चिकित्सक के पास ले गए। हालत गंभीर देख चिकित्सक ने रेफर कर दिया। परिजन उसे सीएचसी कुंडा ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मासूम बेटे के मौत से परिजनो में कोहराम मच गया। परिजनो ने गांव के समीप ही खेत में बालक का अंतिम संस्कार कर दिया।

गजल डॉ.पीयूष मिश्र पीयूष

जिसने अहसास के दीपक को जला रखा है।
उसने इंसान को सीने से लगा रखा है ।

अपने हर खून के रिश्तों को भुलाकर कोई,
मुल्क के दुश्मनों से हाथ मिला रखा है।

जिसको उम्मीद के गुलशन में सजाया हमनें,
वो ही खव्ाब को मिट्टी में मिला रखा है।

झूंठ की आधियों का मुझपे असर क्या होगा,
सच की बुनियाद पे मेयार टिका रखा है ।

पेड़ की आह कुल्हाड़ी की बेंत पर चींखी,
काटने वाले ने अपनों को मिला रखा है ।

उसने पीयूष तबीयत से सफाई दे दी,
जिस पे इल्जाम तो दुनिया ने लगा रखा है।

अतिथि प्रवक्ता संस्कृत– प्रो.राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय प्रयागराज।

डॉ शंभूनाथ त्रिपाठी अंशुल को साहित्य श्री , एली प्रमोद बंसल सहित सत्ताइस प्रतिभाओं को साहित्य संवाहक सम्मान मिला

साठ महिला रचनाकारों को दिया गया माँ राजपती देवी स्मृति साहित्य सम्मान 2024

प्रयागराज । भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के रजत जयंती वर्ष के अन्तर्गत मनाए जाने वाले समारोहों की श्रृंखला में एक भव्य सम्मान समारोह में डॉ शंभूनाथ त्रिपाठी अंशुल को साहित्य श्री सम्मान से अलंकृत किया गया द्य इनके साथ साथ एली प्रमोद बंसल , भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुनेश्वर मिश्र , संरक्षक डॉ बालकृष्ण पाण्डेय , सर्वेश कान्त वर्मा सरल डॉ रवींद्र प्रकाश सिंह मा० चंद्र शेखर प्राण डॉ सुभाष चन्द्रा , डॉ राम लखन चौरसिया वागीश, अरविंद मालवीय , प्रदीप सिंह , डॉ अजय मालवीय, ललित मोहन श्रीवास्तव, केशव सक्सेना, पवनेश कुमार पवन , पंडित राकेश मालवीय , पंकज गुप्ता सहित सत्ताइस प्रतिभाओं को साहित्य संवाहक सम्मान से अलंकृत किया गया द्य रविवार को स्थानीय

ज्वाला देवी सरस्वती बालिका विद्या मंदिर सुभाष नगर (ममफोर्ड गंज) प्रयागराज के भव्य सभागार में सुप्रसिद्ध साहित्यकार जया मोहन की अध्यक्षता में महासंघ की सहयोगी संस्था श्री हनुमान पुस्तकालय दिया जाने वाला माँ राजपती देवी स्मृति साहित्य सम्मान2024 समारोह आयोजित किया गया द्य समारोह के मुख्य अतिथि एली प्रमोद बंसल मण्डलाध्यक्ष एसोसिएशन आफ एलायन्स क्लब इण्टर नेशनल डिस्ट्रिक्ट 157 रहे ।

इस अवसर पर श्री हनुमान पुस्तकालय द्वारा चयनित देश की चर्चित साठ महिला रचनाकारों को 'मां राजपती देवी स्मृति साहित्य सम्मान 2024' प्रदान किया और जया मोहन के कहानी संग्रह भूली बिसरी कहानियाँ , डॉ योगेन्द्र कुमार मिश्र विश्वबंधु के कहानी संग्रह शब्द संसार , जनकवि प्रकाश के प्रबंध काव्य गुरु परशुराम , मानिक सावी सहज के काव्य संग्रह सावी संसार , डॉ सतीश बब्बा के व्यंग्य संग्रह भखाराम राम नहीं रहे , सर्वेश कान्त वर्मा सरल के काव्य संग्रह अनामिका स्वर , डॉ निशा नंदिनी भारतीय के निबंध संग्रह वेदत्व सहित डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय के बाल काव्य संग्रह तोते का स्कूल , कहानी संग्रह सोलह नई कहानियाँ , आनंद नारायण पाठक के लघुकथा संग्रह उत्कर्ष पथ डॉ इन्दु गुप्ता की पुस्तक आम्र बौरों की गन्ध का लोकार्पण भी किया गया और नगीन प्रकाशन मेरठ द्वारा प्रकाशित उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद से प्रतिपादित पाठ्यक्रम पुस्तक सामान्य हिन्दी कक्षा बारह की पुस्तक लेखक सर्वेश कान्त वर्मा सरल की ओर से पुस्तक में शामिल रचनाकार डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय को पुस्तक की प्रति भेंट की गई ।

समारोह के आयोजक श्री हनुमान पुस्तकालय के व्यवस्थापक, भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय ने सम्मानित साहित्यकारों, पत्रकारों , कवियों, लेखकों एवं शुभचिन्तकों को सम्मान पत्र ६ अंगवस्त्र ६ प्रतीक चिह्न, मोती की माला व बैज से अभिनंदित करके स्वागत किया ।

अखिल असम रौनियार वैश्य महासभा का तृतीय अधिवेशन को लेकर बैठक

इस बैठक में गुवाहाटी तथा रंगिया समिति का गठन हुआ

विश्वनाथ। अखिल असम रौनियार वैश्य महासभा के तृतीय अधिवेशन को लेकर 21 जुलाई को गुवाहाटी में बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता अखिल असम रौनियार महासभा असम प्रांत के अध्यक्ष छत्रपति गुप्ता ने किया। इस मौके पर प्रतिनिधिमण्डल में असम प्रांत के उपाध्यक्ष श्यामानंद रौनियार, उपाध्यक्ष रुपनारायण शाह, सचिव अनिल, गुप्ता, कोषाध्यक्ष उपेंद्र शाह आदि पदाधिकारी मौजूद थे। सर्वप्रथम गुवाहाटी हरियाणा भवन में सभा रखा गया, जिसमें गुवाहाटी समिति का गठन किया गया। तत्पश्चात पदाधिकारीगण रंगिया पहुंचे। रंगिया शिव मंदिर एक घाट के प्रांगण में दूसरा सभा का आह्वान किया गया। । जिसमें रौनियार समाज के असंख्य व्यक्ति मौजूद थे। जिसमें समाज के उत्थान के विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। अंत में रंगिया समिति का गठन किया गया। इस मौके पर रौनियार एकता महिला संगठन विश्वनाथ के अध्यक्षा सुनैना रौनियार, कोषाध्यक्ष रानी रौनियार , सदस्या ऊषा रौनियार मौजूद थीद।जिन्होंने समाज के कार्य करने के लिए महिलाओं को प्रेरित किया। उल्लेखनीय है कि सितंबर महीना में अखिल असम रौनियार वैश्य महासभा के होने वाले तृतीय अधिवेशन को लेकर राज्य के जिलों में समितियाँ का गठन किया जा रहा है।

मेडिकल कश्वलेज में बनेगा सौ बेड का क्रिटिकल केयर यूनिट

प्रिंसिपल ने प्रस्तावित भूमि का किया पूजन

प्रतापगढ़। गंभीर रूप से बीमार रोगियों को इलाज के लिए अब गैर जनपद का चक्कर लगाने की जरूरत नहीं है। उनके लिए सौ बेड का क्रिटिकल केयर यूनिट का निर्माण होने जा रहा है। सोमवार को मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ सलिल कुमार श्रीवास्तव ने वैदिक मंत्रोचारण के बीच यूनिट के लिए प्रस्तावित भूमि का पूजन किया। बता दें कि अभी तक जिले में गंभीर रोगियों को भर्ती करके इलाज की समुचित व्यवस्था नहीं है। इन रोगियों के लिए अलग से वार्ड होना चाहिए जो कि नहीं बन पाया है। हालांकि मेडिकल कालेज का दर्जा प्राप्त हुए काफी अरसा हो गया है लेकिन अभी भी कुछ कमी खटकती है। इसी में है सीसीयू यानी की क्रिटिकल केयर यूनिट जो कि पहले ही बन जानी थी। इस व्यवस्था के अभाव में गंभीर रोगियों का जिला अस्पताल में इलाज नहीं हो पाता है। उन्हें प्रयागराज, सुल्तानपुर या फिर लखनऊ, बनारस की दौड़ लगानी पड़ती हैं। जिसमें मरीज का काफी धन व्यय होता है। समय की बर्बादी अलग से। कई बार ऐसा भी हुआ है कि वहां तक पहुंचने से पहले ही इलाज में देरी की वजह से मरीज दम तोड़ देता है।

क्या है सीसीयू–

यह एक विशेषज्ञ अस्पताल वार्ड है। जिसमें गंभीर रूप से बीमार रोगियों को भर्ती करके उनका इलाज होता है। उन्हें लगातार मेडिकल स्टाफ की निगरानी में रखा जाता है।

ये रोगी भर्ती होंगे–

जिन रोगियों में एक या इससे अधिक महत्वपूर्ण अंगों में समस्या रहती है। जो बिना सहारे के सांस लेने में असमर्थ होते हैं। उन्हें ही सीसीयू में भर्ती किया जाता है।

क्या कहते हैं प्रिंसिपल–

इस बारे में डाक्टर सोने लाल पटेल स्वशासी मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल डॉ सलिल कुमार श्रीवास्तव बताते हैं कि पुराने महिला अस्पताल के बगल सौ बेड का सीसीयू बनना है। इसके लिए भूमि पूजन हो गया है। यूनिट के निर्माण में डेढ़ से दो साल लग सकता है। इससे गंभीर मरीजों का इलाज आसान हो जाएगा।

राजा भैया ने किया जलाभिषेक

प्रतापगढ़, कुंडा। जनसत्ता दल लोक तांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया मंगलवार को बाबा हौदेश्वरनाथ धाम पहुंचे। गंगा घाट पर पहुंचे राजा भैया ने विधि विधान से गंगा पूजन और आरती की। इसके बाद वह बाबा हौदेश्वरनाथ के पौराणिक मंदिर गए जहाँ पर पूजन अभिषेक किया। पूजन के बाद वह मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों से मिले। पुलिसकर्मियों से मेले में आए श्रद्धालुओं की सेवा सुरक्षा को लेकर बात किया और ध्यान रखने का निर्देश दिया। इस मौके पर मेला प्रबंधक जुगनू विश्वकर्मा, श्याम बिहारी सिंह, विनय कुमार ओझा, मनोज सिंह, अजीत सिंह आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त

ब्रह्मदेव जागरण मंच ने मनाई अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती

प्रतापगढ़। ब्रह्मदेव जागरण मंच द्वारा मंगलवार को शहर स्थित कंपनी गार्डन में अमर बलिदानी चंद्रशेखर आजाद की 118 वीं जयंती बनाई गई। मंच के लोगों ने आजादी के महानायक चंद्रशेखर आजाद की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। उपस्थित लोगों ने गगन भेदी नारे लगाकर अमर बलिदानी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित किया। मंच के जिलाध्यक्ष पंडित श्रीप्रकाश दुबे ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद एक ऐसे व्यक्तित्व का नाम है जिसको सुनते ही ब्रिटिश अधिकारियों के रोंगटे खड़े हो जाते थे। प्रदेश अध्यक्ष पंडित सत्येन्द्र नारायण तिवारी ने कहा कि पंडित चंद्रशेखर आजाद की राष्ट्र के प्रति सेवा युवा वर्ग के लिए प्रेरणा स्रोत है। आजाद का त्याग युगों युगों तक उन्हें याद किया जाएगा। मंच के राज किशोर त्रिपाठी, प्रेम कुमार त्रिपाठी ने भी शहीदे आजम पर अपने विचार रखे। इस मौके पर रमापति मिश्रा, महेश मिश्रा, श्याम शंकर दुबे, मनीष दुबे, अनूप शुक्ल आदर्श, सूर्य प्रकाश समेत ब्रम्हदेव जागरण मंच के अन्य लोग उपस्थित रहे। मंच के लोगों ने चंद्रशेखर आजाद की कर्मस्थली पट्टी के ग्राम मतुई नमक सायर स्थित भवन को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने की मांग की।

किराना कारोबारी के घर डकैती का चौथा आरोपित गिरफ्तार

प्रतापगढ़, कुंडा। किराना कारोबारी के घर डकैती डालकर लूटपाट करने और एक बेटी के पैर में गोली मारने के आरोपितों पर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर छानबीन कर रही थी। उसी मामले में मंगलवार को एक आरोपित को पुलिस ने और गिरफ्तार किया। जबकि डकैती में शामिल तीन को पहले ही जेल भेजा जा चुका है। कुंडा थाना क्षेत्र के खजुरिया गयासपुर गांव निवासी छोटेलाल गौतम के घर छह जुलाई की रात नकाबपोश चार बदमाशों ने डकैती डाली थी। नकदी, मोबाइल राशन, कपड़े समेत हजारों का सामान बदमाशों ने समेट लिया था। लूटपाट का विरोध करने पर बदमाशों ने छोटेलाल, उसके बेटे जितेन्द्र, बेटी अनीता को डंडे और रॉड से मारकर घायल कर दिया था। जबकि छोटी बेटी सुनीता के पैर में गोली मार दी थी। छोटेलाल की तहरीर पर पुलिस ने चार अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। उसी मामले में फरार लालजी यादव निवासी भदरी को दरोगा गिरीशधर दुबे टीम के साथ मंगलवार को छापामारी कर दुखी चौराहा बाबूगंज के पास से गिरफ्तार कर लिया। लालजी के पास से डकैती के हिस्से में मिले 1500 रुपये भी बरामद किया। जबकि पुलिस मामले में चिन्हित किए शुभम दुबे निवासी बंतरी रैयापुर, चन्द्रिका प्रसाद शुक्ला निवासी तिलौरी मोड़ कुंडा, नीलम पाण्डेय निवासी जमलामऊ को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

समस्याओं को लेकर नाराज अदिवक्ताओं ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

प्रतापगढ़, लालगंज। तहसील परिसर में वादकारी शेड के ऊपर से गुजर रही एचटी लाइन न बदलने, क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बाधित होने को लेकर वकीलो ने मंगलवार को आक्रोश जताया है। संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष संदीप सिंह के नेतृत्व में वकीलो ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। बिजली के साथ नहरों में पानी की आपूर्ति पर्याप्त न होने को लेकर नाराजगी जतायी। अधिवक्ताओं का कहना है कि लोकल फाल्ट तथा जर्जर तारों के कारण आपूर्ति बाधित होने से लोग परेशान हो रहे हैं। तहसील में कम्प्यूटरीकृत खतौनी व जरूरी कागजात न मिलने से वादकारी परेशान वापस लौट जाते हैं। नहरों में पानी न होने से सूख रही धान की नर्सरी की समस्या रखी। तहसील परिसर में पीने के पानी की टंकी के खराब होने, शौचालयों में गंदगी को लेकर भी ज्ञापन में असंतोष जताया गया है। एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा ने अधिवक्ताओं को समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया है। इस मौके पर उपाध्यक्ष बालेन्द्र त्रिपाठी, महामंत्री सूर्यकांत निराला, अनूप पाण्डेय, धीरेन्द्र मिश्र, सिंटू मिश्र, श्रीशचन्द्र पाण्डेय, शिवेन्द्र तिवारी, सुजीत त्रिपाठी, प्रमोद सिंह, शिव नारायण शुक्ल आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

केंद्र सरकार का बजट आम आदमी के लिए छलावा व धोखे का बजट-प्रमोद तिवारी

प्रतापगढ़। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने कहा है कि केन्द्री सरकार का बजट किसानों, मध्यम वर्ग, गरीब और आम आदमी के लिए छलावा तथा धोखा और निराश करने वाला बजट है। बजट में आम जनता के लिए कुछ भी नहीं है। बजट में न तो किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य मिला और न ही किसान सम्मान निधि बढ़ सकी। सीमान्त, लघु और मध्यम उद्योगों को बढावा देने का ठोस कदम नहीं उठाया गया है। सोना चांदी तो सस्ता करने की घोषणा हुई पर आम आदमी के खरीदने वाली चीजों पर कोई राहत नही है। उन्होनें कहा कि सहयोगी दल बिहार और आन्ध्र प्रदेश को स्पेशल पैकेज के नाम पर झुनझुना पकड़ा दिया है। मोदी सरकार ने इन दोनों राज्यों में सहयोगी दलों के नाम पर उनके साथ धोखेबाजी की है। श्री तिवारी ने कहा कि ऐसी स्थिति में दोनों मुख्यमंत्री यदि अपने राज्यों के प्रति वफादार है तो उनको चाहिए कि सरकार से अपना समर्थन वापस लें। केन्द्र की भाजपा सरकार अन्य राज्यों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है।उन्होंने कहा कि बजट पूरी तरह निराशाजनक और देश की आर्थिक बर्बादी का बजट है।

गैंगरेप के आरोपियों के घर पुलिस लेकर पहुँची बुलडोजर

आरोपी व उनके परिजन घर छोड़कर हुए फरार

प्रतापगढ़, पट्टी। दुकान पर मोबाइल बनवाने गई नाबालिग किशोरी के साथ दुकानदार व उसके साथियों ने गैंगरेप किया था। गैंगरेप की वारदात के अगले दिन मंगलवार को भारी पुलिस बल राजस्व विभाग की टीम के साथ आरोपियों के घर पहुँची। टीम के साथ बुलडोजर देख गांव के लोग सकते में आ गए। अनुमान लगाया जा रहा है कि आरोपियों के घर पर किसी भी समय बुलडोजर गरज सकता है । फिलहाल आरोपी व उनके परिजन घर छोड़कर फरार हैं। दो दिन पहले हुई इस घटना को लेकर लोगों में गहरा आक्रोश है। पुलिस ने पीड़िता के पक्ष की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर चार लोगों के विरुद्ध, नाबालिग के साथ सामूहिक दुराचार की वारदात का मामला दर्ज किया है। पट्टी इलाके के बेलसंडी गांव निवासी वसीम ने उडियाडीह मोड़ पट्टी में अपनी मोबाइल की दुकान खोल रखी है। रानीगंज इलाके की एक नाबालिग किशोरी उसके दुकान पर मोबाइल बनवाने गई थी। जहाँ झांसे में लेकर दुकानदार ने उसका मोबाइल नम्बर ले लिया और बातचीत के दौरान उसे अपने दुकान पर बुला लिया। आरोप है कि दुकान पहुँचने पर आरोपी वसीम व उसके तीन अन्य साथी नाबालिग किशोरी के साथ असलहे के बल गैंगरेप किया। इस दौरान उसे जान से मारने की भी बातें की जा रही थी।

फर्जी पासपोर्ट बनवाकर पाकिस्तान गई महिला, FIR के बाद जांच शुरू

महाराष्ट्र में एक 23 वर्षीय महिला कथित तौर पर फर्जी पासपोर्ट और वीजा के साथ पाकिस्तान यात्रा करने के आरोप में कानूनी मुसीबत में फंस गई है। महिला की पहचान ठाणे की नगमा नूर मकसूद अली उर्फ सनम खान के रूप में हुई है, जिसने कथित तौर पर अपना नाम बदल लिया और ठाणे के लोकमान्य नगर से आधार कार्ड, पैन कार्ड और अपनी बेटी का जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया। इसके बाद उसने पासपोर्ट आवेदन के साथ ये जाली दस्तावेज जमा किए, पुलिस ने कहा कि दस्तावेजों के आधार पर उसे फर्जी पासपोर्ट मिला। महिला जाली दस्तावेज के आधार पर पासपोर्ट हासिल करने में कामयाब रही और पाकिस्तान चली गई। घटना मई 2023 से इस साल मई के बीच हुई। अब महिला के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने मामले के संबंध में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है। पुलिस ने कहा कि दोनों पर भारतीय पासपोर्ट अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है।

राजनेताओं पर भड़की पाकिस्तान की सेना, कहा- राजनीतिक माफिया नहीं देखना चाहते हमारी कामयाबी

पाकिस्तानी सेना ने सोमवार को कहा कि संगठित राजनीतिक माफिया नियोजित नए आतंकवाद विरोधी अभियान 'अज़्म–ए–इस्तेहकम' के बारे में गलत सूचना फैला रहा था, जिसका उद्देश्य आतंकवादियों को बाहर निकालना और आर्थिक विकास और स्थिरता को बढ़ावा देना है। सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ ने रावलपिंडी में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ऑपरेशन की शुरुआत सहित विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर बात की।

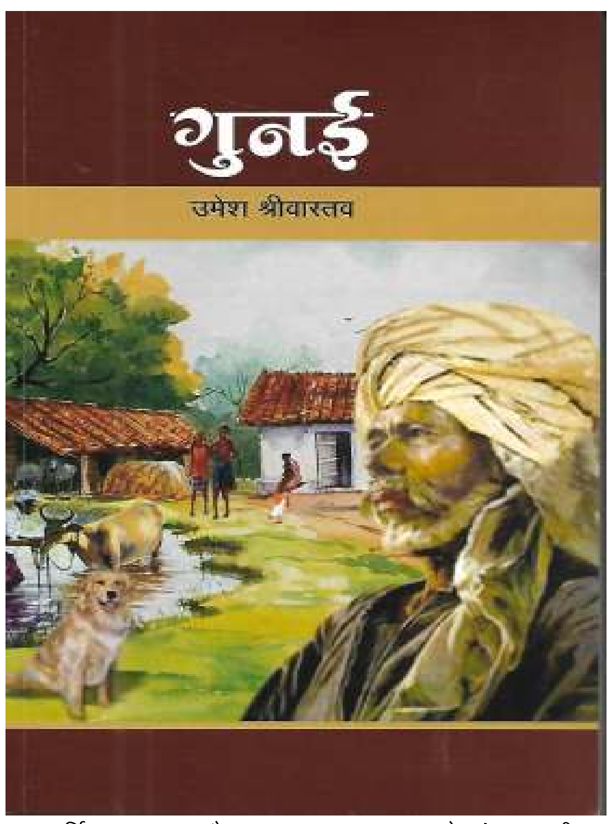

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

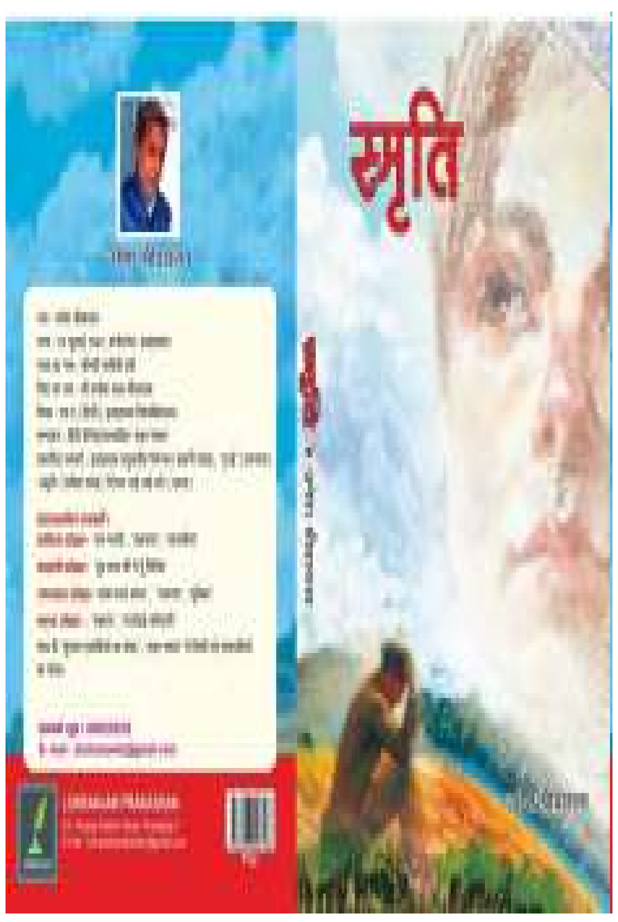

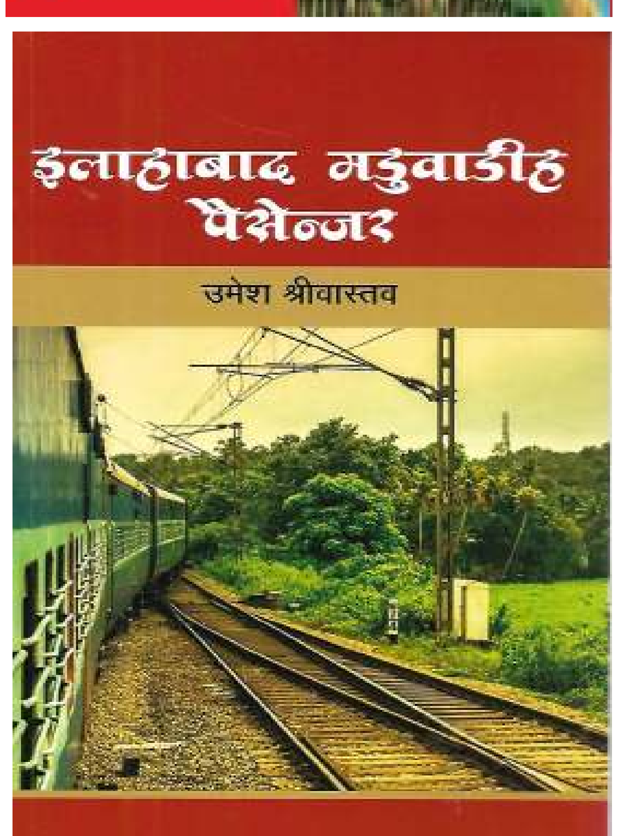

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

कमला हैरिस को मिला अब नैंसी पेलोसी का साथ, कहा-

मुझे पूरा विश्वास है नवंबर में हमें जीत दिलाएंगी

पूर्व हाउस स्पीकर और अमेरिकी प्रतिनिधि नैन्सी पेलोसी ने सोमवार को डेमोक्रेटिक 2024 के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में कमला हैरिस का समर्थन करके देश के राष्ट्रपति पद के लिए उनकी उम्मीदवारी पर उनके रुख पर संदेह को दूर कर दिया। पेलोसी का समर्थन हैरिस को ताकत देता है क्योंकि वह डेमोक्रेटिक पार्टी में एक प्रभावशाली आवाज हैं। उन्होंने एक बयान जारी कर कहा कि राष्ट्रपति पद के लिए कमला हैरिस के लिए मेरा उत्साहपूर्ण समर्थन आधिकारिक, व्यक्तिगत और राजनीतिक है। पेलोसी ने कहा कि राजनीतिक रूप से कोई गलती न करें। राजनीति में एक महिला के रूप में कमला हैरिस शानदार रूप से चतुर हैं और मुझे पूरा विश्वास है कि वह नवंबर में हमें जीत दिलाएंगी। हैरिस का समर्थन करते हुए अपने बयान में पेलोसी ने बिडेन को देश के सबसे परिणामी राष्ट्रपति के रूप में वर्णित किया और हमेशा अमेरिका की संभावनाओं में विश्वास करने और लोगों को उनकी पूर्ति तक पहुंचने का अवसर देने के लिए उनकी सराहना की।

पेलोसी ने कहा कि आज, हमारे देश के भविष्य के लिए बेहद गर्व और असीम आशावाद के साथ मैं संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के लिए उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का समर्थन करती हूं। राष्ट्रपति पद के लिए कमला हैरिस के लिए मेरा उत्साही समर्थन आधिकारिक, व्यक्तिगत और राजनीतिक है। बाइडेन ने रविवार को राष्ट्रपति चुनाव से हाथ खींच लिया और कमला हैरिस के स्वास्थ्य पर कई हफ्तों की चिंताओं के बाद उनका समर्थन किया, जिससे पार्टी के भीतर से उनकी वापसी की मांग उठने लगी। राष्ट्रपति जो बिडेन द्वारा उनके समर्थन के बाद, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और हिलेरी क्लिंटन ने भी नामांकित व्यक्ति के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए कमला हैरिस का समर्थन किया। हालाँकि, बराक ओबामा और नैन्सी पेलोसी सशंकित लग रहे थे।

अमेरिकी सीक्रेट सर्विस का संसद में सबसे बड़ा कबूलनामा, ट्रम्प पर चली गोली...

2 हफ्ते पहले ट्रम्प पर हुए हमले से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। 13 जुलाई को सीक्रेट सर्विस से भारी चूक हुई है। सीक्रेट सर्विस के डायरेक्टर किम्बरली ने माना है कि ट्रम्प पर हमला दशकों में सबसे बड़ी चूक है। संसद में अपनी पेशी के दौरान किम्बरली चिटेल ने ये बयान दिया है। ट्रम्प पर हमले को रोकने दशकों में सीक्रेट सर्विस की बड़ी नाकामी है। इसी की वजह से ट्रंप घायल हो गए। हालांकि पहली गोली चलाने के 26 सेकंड बाद एक सीक्रेट सर्विस स्नाइपर ने हमलावर को मार गिराया था। हमले के बाद डायरेक्टर किम्बली चीटल के खिलाफ सुनवाई चल रही है। रिपब्लिकन कमिटी के अध्यक्ष जेम्स कॉमर ने कहा, इस घटना को रोका जा सकता था। राष्ट्रपति जो बाइडन ने डोनाल्ड ट्रंप की हत्या के प्रयास के बाद राष्ट्रपति पद के स्वतंत्र उम्मीदवार रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर की सुरक्षा करने का आदेश यू.एस. सीक्रेट सर्विस' को दिया था। कैनेडी के अभियान कार्यक्रमों ने समर्थकों और उनके संदेश में रुचि रखने वाले लोगों की बड़ी भीड़ को आकर्षित किया है। पेंसिल्वेनिया में शनिवार को एक रैली में हुई गोलीबारी में ट्रंप बाल–बाल बच गए और उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं आई। हमले की स्वतंत्र समीक्षा की गई। 'गॉड ब्लेस द यूएसए' के नारों के बीच छह बजकर दो मिनट पर अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पेनसिल्वेनिया के बटलर में एक मैदान में भीड़ का अभिवादन करते हुए मंच संभाला और कड़ी धूप के बीच अपना भाषण शुरू ही किया था कि कुछ मिनटों बाद गोलियां चलने की आवाज सुनायी देने लगी।

एस. लाल एण्ड सन्स मेडिकल्स
OPD
नेत्र रोग विशेषज्ञ
डा. आर.के. श्रीवास्तव
समय - 10 बजे से 1 बजे तक,
दिन - सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, (निःशुल्क परामर्श - शनिवार, रविवार)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. शिखा माथुर
प्रतिदिन - दोपहर 1 से 3 बजे तक
जनरल फिजिशियन
डा. कार्तिकेय
समय - शाम 4 बजे से 8 बजे तक | दिन - प्रतिदिन
पता - 18B, म्योर रोड, जहाज चौराहा, प्रयागराज
Mob.: 9151121918, 9140445768

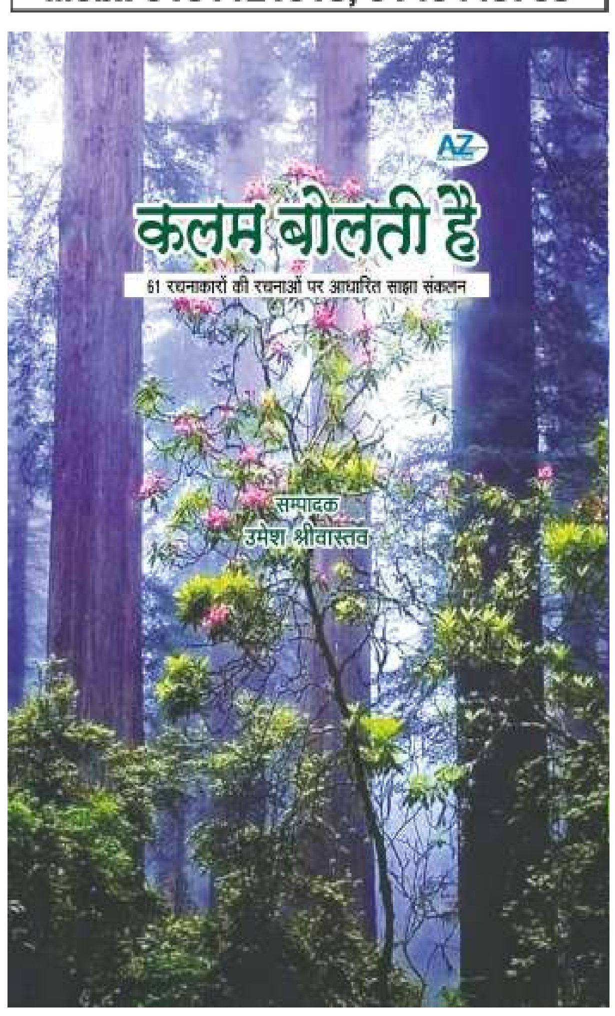

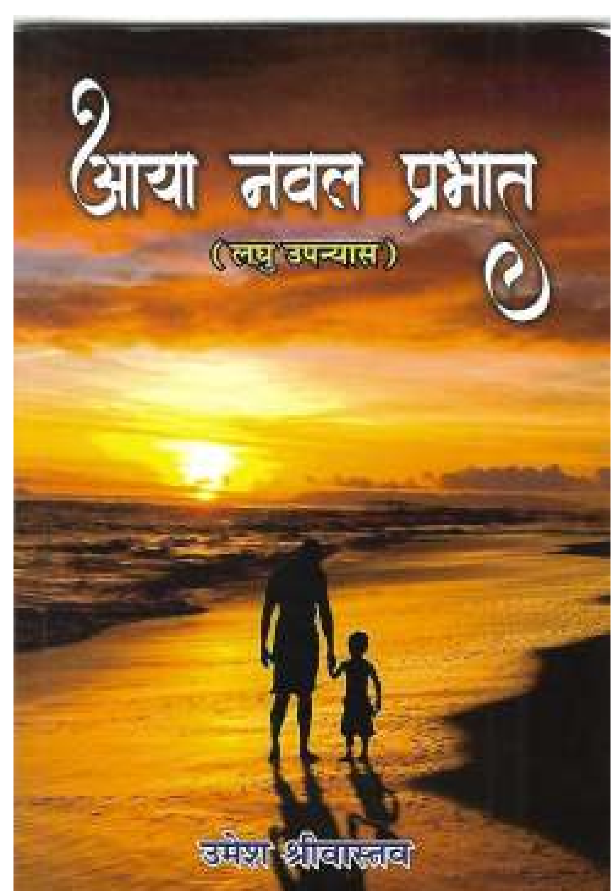

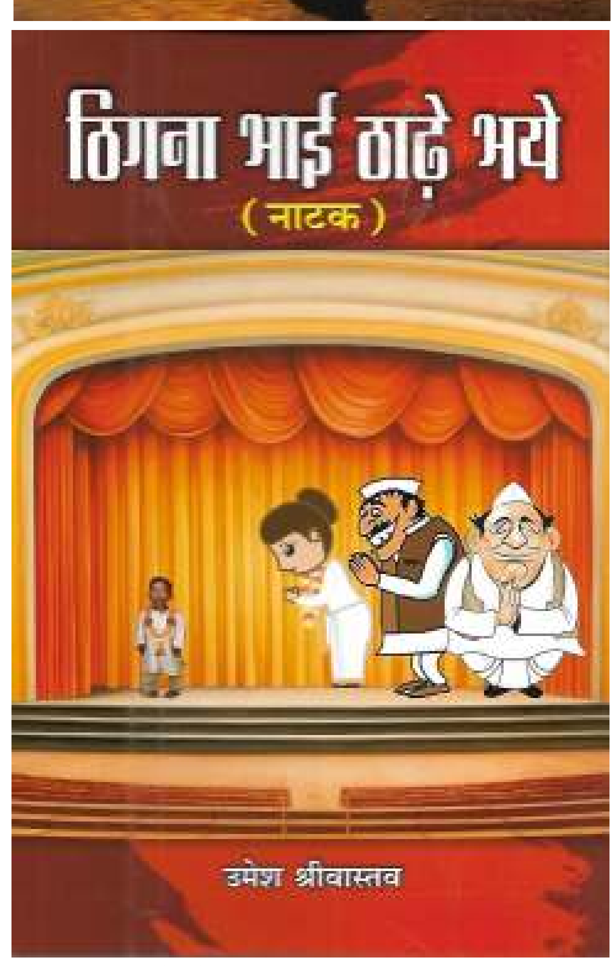

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

मुसलमानों से माफी मांगेगी श्रीलंका सरकार, कोरोना महामारी के दौरान शव दफनाने की नहीं दी थी अनुमति

कोलंबो। श्रीलंका सरकार ने मंगलवार को कहा कि वह कोरोना महामारी के दौरान अंतिम संस्कार की विवादास्पद नीति अपनाने के लिए देश के मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदाय से माफी मांगेगी। सरकार ने साल 2020 में कोरोना से हुई मौतों को लेकर एक आदेश जारी किया था। जिसमें अंतिम संस्कार के लिए मुसलमानों सहित अल्पसंख्यक समुदायों को उनके धार्मिक अधिकारों से वंचित कर दिया गया था। बाद में इस फैसले की दुनियाभर में आलोचना हुई तो सरकार ने फरवरी 2021 में इसे रद्द कर दिया था। द्वीप राष्ट्र के मंत्रिमंडल ने सोमवार एक बैठक की। बैठक में 2020 में किए गए फैसले के लिए मुस्लिम समुदाय से माफी मांगने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। मंत्रिमंडल ने सरकार की

ओर से सभी समुदायों से माफी मांगने का फैसला किया है। इसके अलावा, मंत्रिमंडल ने एक कानून पेश करने का भी फैसला किया, ताकि इस तरह के विवादास्पद कदमों की पुनरावृत्ति न हो सके। मंत्रिमंडल ने धार्मिक मान्यताओं के आधार पर शवों को दफनाने या उनका दाह संस्कार करने के लिए एक प्रस्तावित कानून को भी मंजूरी दी। यह कानून एक व्यक्ति या परिजनों को अपने विवेक पर मृत व्यक्ति को दफनाने या दाह संस्कार करने की अनुमति देता है। देश के मुस्लिम समुदाय ने तब जबरन दाह संस्कार की नीति का विरोध किया था। कुछ ने तो अपने प्रियजनों के शवों को अस्पताल के मुर्दाघरों में ही छोड़ दिया था। अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने कहा था कि उन्हें दाह संस्कार के लिए मजबूर किया गया। इस्लाम में दाह संस्कार हराम है। फरवरी 2021 में आदेश रद्द होने से पहले मुस्लिम समुदाय के 276 शवों का अंतिम संस्कार किया गया था। तब श्रीलंका की सरकार ने स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए मृतकों को दफनाने की अनुमति नहीं दी थी। उसने कुछ विशेषज्ञों का हवाला देते हुए दावा किया था कि कोविड–19 से मरे लोगों को दफनाने से पानी दूषित हो जाएगा, जिससे महामारी और फैल जाएगी। सरकार के इस आदेश की संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद ने भी आलोचना की थी। कई अधिकार समूहों ने कहा था कि श्रीलंका मृतकों और उनके परिजनों, खासतौर पर मुस्लिमों, कैथोलिक और कुछ बौद्धों की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करने में विफल रहा है।

दो नवंबर तक हाउस ऑफ कॉमन्स में नेता प्रतिपक्ष बने रहेंगे सुनक, उत्तराधिकारी के लिए दो चरणों में होगा चुनाव

लंदन। कंजर्वेटिव पार्टी के नेता ऋषि सुनक इस साल नवंबर तक हाउस ऑफ कॉमन्स में नेता प्रतिपक्ष बने रहेंगे। पार्टी तीन महीने से भी कम समय के भीतर उनके उत्तराधिकारी का चुनाव करेगी। इसके लिए नामांकन प्रक्रिया बुधवार यानी कल से शुरू होगी। कंजर्वेटिव पार्टी के सांसदों की समिति ने सोमवार की शाम चुनाव के टाइम–टेबल (समय सारिणी) का खुलासा किया। जिसमें उसने बताया कि यह चुनाव दो चरणों में होंगे और 2 नवंबर को नए नेता प्रतिपक्ष के रूप में चुना जाएगा। हालिया आम चुनाव में कंजर्वेटिव पार्टी को हार का सामना करना पड़ा। जिसके बाद भारतीय मूल के ब्रिटिश नेता ने पांच मई को प्रधानमंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। सुनक ने कहा कि जब तक उनका उत्तराधिकारी नहीं चुन लिया जाता, तब तक वह नेता प्रतिपक्ष बने रहेंगे। उन्होंने कहा, 2 नवंबर को पार्टी नेतृत्व की ओर से फैसला होने तक मैं पद पर बना रहूंगा। इससे हमारी पार्टी विपक्ष की भूमिका पेशेवर और प्रभावी तरीके से निभा सकेगी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।